शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

# राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

रविवार 21 दिसंबर 2025 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 10 | अंक : 239 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

## न्यूज ब्रीफ

### पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 3 लोगों की ट्रेन से कटकर मौत

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल के नदिया में शनिवार सुबह 3 लोगों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। हादसा की वजह घना कोहरा बताया जा रहा है। इस घटना में 3 लोग घायल भी हुए हैं। बताया गया कि ये सभी पीएम मोदी की तहेरपुर रैली में शामिल होने के लिए निकले थे। घटना तहेरपुर और बड़कुल्ला स्टेशन के बीच हुआ। घटना पर पीएम मोदी ने भी दुख जताया है।

### जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए 22 दिसंबर को

**नईदिल्ली।** चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए कोर्ट के शीतकालीन अवकाश के दौरान स्पेशल बेंच का गठन किया है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए 22 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट की विशेष अवकाश पीठ बैठेगी। मामलों की संख्या के आधार पर एक या एक से अधिक बेंच गठित होंगी। सर्दियों की छुट्टियों के कारण कोर्ट बंद होने से पहले वकीलों ने तत्काल सुनवाई की मांग की थी।

### मशहूर मलयालम एक्टर श्रीनिवासन का 69 साल में निधन

**एर्नाकुलम।** मलयालम सिनेमा के सीनियर एक्टर, राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर श्रीनिवासन का शनिवार को 69 साल की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे और केरल के एर्नाकुलम जिले के उदयमपेरूर स्थित अपने घर पर इलाज करा रहे थे। अचानक उनका स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उन्हें त्रिप्पुनिथुरा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार सुबह डॉक्टरों ने उनकी मौत की पुष्टि की।

### चेन्नई के बीएसएनएल ऑफिस में आग लगी, कोई जनहानि नहीं

**चेन्नई।** चेन्नई के अन्ना सलाई स्थित बीएसएनएल के ऑफिस में शनिवार को आग लग गई। छुट्टी होने के कारण आज ऑफिस बंद था। इसलिए घटना में किसी के फंसे होने या घायल होने की खबर नहीं है।

**राष्ट्रबाण**

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

# 'कांग्रेस की गलतियां सुधार रहा मोदी'

## कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को छूट दी, हम उन्हें पहचानकर बाहर कर रहे

राष्ट्रबाण | कोलकाता | एजेंसी | rashtrabaan.in

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुवाहाटी में कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से असम विरोधी काम किया। कांग्रेस ने वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को खुली छूट दी और यहां की डेमोग्राफी बदली। इससे ये हुआ कि पूरे असम की सुरक्षा और पहचान दांव पर लग गई।

पीएम ने कहा- मोदी कांग्रेस की गलतियां सुधार रहा है। आज हिमंता जी की सरकार मेहनत से असम के संसाधनों को देश विरोधी लोगों से मुक्त करा रही है। अवैध घुसपैठियों को पहचानकर उन्हें बाहर किया जा रहा है। मोदी दो दिन के असम दौरे पर पहुंचे। उन्होंने गुवाहाटी में लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह देश का पहला प्रकृति-थीम वाला एयरपोर्ट टर्मिनल है, जिसकी थीम बांस उद्यान पर आधारित है। मोदी रविवार को असम में 15,600 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास करेंगे।

असम से पहले पीएम कोलकाता पहुंचे थे। यहां उन्होंने एयरपोर्ट से नादिया जिले के राणाघाट में आयोजित कार्यक्रम को फोन से वर्चुअली संबोधित किया था। मोदी ने कहा- ऐसा नहीं है कि बंगाल के विकास के लिए पैसों की कमी है, लेकिन यहां की सरकार सिर्फ कट और कमीशन में लगी रहती है।

### मोदी बोले- पूर्वोत्तर में पहले हिंसा होती थी आज टेक्नोलॉजी पहुंच रही

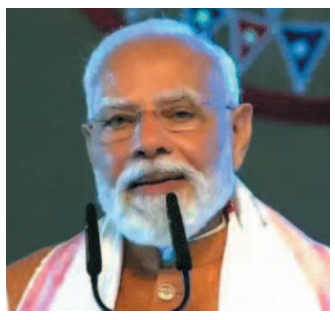

पूर्वोत्तर में पहले हिंसा होती थी यहां 4जी 5जी से टेक्नोलॉजी पहुंची रही है। साथियों हम पूर्वोत्तर की संस्कृति और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस की जड़ें आजादी से पहले से जुड़ी हैं। गुवाहाटी से जलपाईगुड़ी तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ने यात्रा के समय को कम किया। कार्गो ट्रेफिक में 140 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वाराणसी से डिब्रूगढ़ तक गंगा विकास को लेकर उत्साह है। कांग्रेस की सरकारों ने असम और पूर्वोत्तर विकास से दूर रखने का पाप किया है।

### मोदी बोले- असम भारत के ईस्टर्न गेटवे के रूप में उभर रहा

भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहा है। 11 साल में ये कैसे हुआ। इसमें बहुत बड़ी भूमिका इन्फ्रॉस्ट्रक्चर की है। विकास के इस महाअभियान में देश के हर क्षेत्र की भागीदारी है। हम पिछड़ों को मौका दे रहे हैं। आज असम और पूर्वोत्तर हमारे मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। हमने पूर्वोत्तर को प्राथमिकता दी है। असम को भारत के ईस्टर्न गेटवे के रूप में उभरता देख रहे हैं। ये शुरुआत आगे तक जाएगी। असम कई क्षेत्रों में विकसित भारत का इंजन बनेगा।

### नई टर्मिनल बिल्डिंग में प्रकृति से जुड़ी डिजाइनः मोदी

पीएम ने कहा- इस नई टर्मिनल बिल्डिंग से गुवाहाटी की क्षमता बढ़ेगी। अब सवा करोड़ से ज्यादा पर्यटक आ सकेंगे। मां कामाख्या के दर्शन आसान हो जाएंगे। इस एयरपोर्ट से दिखता है कि विकास और विरासत के मायने क्या हैं। टर्मिनल के अंदर हरियाली है। प्रकृति से जुड़ी डिजाइन है। यहां टेक्नोलॉजी है। इसे बनाने में बांस का इस्तेमाल किया गया है जो खूबसूरती दिखाता है और मजबूती भी। 2014 में आपने मुझे काम दिया उसके पहले देश में कानून था कि बंबू को काट नहीं सकते। वे कहते थे बांस वृक्ष है। जबकि दुनिया मानती है कि बांस पौधा है। हमने कानून हटाया और ग्रास की कैटेगरी में जो सचमुच में बंबू की पहचान है। तब जाकर आज बांस से इतनी बड़ी बिल्डिंग बनी है। आज दुनियाभर में भारत के एयरपोर्ट की रचनाओं की चर्चा है।

## राजस्थान के फतेहपुर-माउंट आबू में पारा 4डिग्री

### दिल्ली में घना कोहरा, 129 फ्लाइट कैंसिल

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत 8 राज्यों में शनिवार सुबह भीषण सर्दी के साथ घना कोहरा छाया रहा। राजस्थान के सीकर स्थित फतेहपुर और सिरोही के माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश के करीब 20 जिले घने कोहरे से ढके रहे। इसके कारण दिल्ली से भोपाल-इंदौर आने वाली कई ट्रेनें लेट हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कोहरे के कारण शनिवार को 129 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई है।

यूपी के 50 जिलों में कोहरा छाया रहा। सुबह 9 बजे तक सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिखा। 10 मीटर दूर भी कुछ नहीं दिख रहा था। संभल में घने कोहरे के कारण ट्रक और बाइक की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। घने कोहरे के कारण यूपी के 8 जिलों के स्कूलों में 19 और 20 दिसंबर को छुट्टी की गई है।

# टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान : सूर्या कप्तान, ईशान की वापसी

## शुभमन बाहर, अगरकर बोले- गिल रन नहीं बना पा रहे

राष्ट्रबाण | मुंबई | एजेंसी | rashtrabaan.in

**टी-20** वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। मुंबई के बीसीसीआई हेडक्वार्टर में शनिवार को सचिव देवजीत सैकिया ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव की मौजूदगी में स्क्वॉड की घोषणा की।

टीम में अक्षर पटेल को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि शुभमन गिल को टीम से बाहर कर दिया गया है। विकेटकीपर संजू सैमसन को स्क्वॉड में शामिल किया गया। इसके अलावा ईशान किशन और रिंकू सिंह को भी टीम में मौका मिला। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने कहा- गिल इस समय रन नहीं बना पा रहे हैं। हम जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं, शायद अभी थोड़े रन कम बना रहे हैं, उन्हें पिछले वर्ल्ड कप में भी मौका नहीं मिला था, यह दुर्भाग्यपूर्ण था।

वहीं, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गिल का चयन न होने पर कहा- गिल को खराब फॉर्म की वजह से ड्रॉप नहीं किया गया गया है। ऐसा टीम कॉम्बिनेशन की वजह से हुआ है, हम टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर चाहते थे। उनकी काबिलियत पर कोई शक की बात नहीं है, वे एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। टीम को रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर की भी जरूरत थी। यह टीम वर्ल्ड कप से पहले 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज भी खेलेगी। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी।

### भारतीय टीम सिलेक्शन की खास बातें...

भारतीय टीम से 6 प्लेयर्स पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप खेलेंगे। जबकि 9 प्लेयर्स ऐसे हैं, जो टी-20 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। सिलेक्टर्स ने शुभमन गिल को स्क्वॉड में जगह नहीं दी, जो सबसे बड़ा फैसला माना जा रहा है। वे आउट ऑफ फॉर्म हैं। अक्षर पटेल को नया उपकप्तान बनाया गया है। अक्षर पहले भी टी-20 टीम के उप कप्तान रह चुके हैं, लेकिन बड़े टूर्नामेंट में पहली बार उन्हें ये जिम्मेदारी मिली। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के लिए संजू सैमसन और ईशान किशन दोनों को टीम में शामिल किया गया।

# एपस्टीन सेक्स स्कैंडल में सबसे बड़ा खुलासा

## लड़कियों के साथ हॉट-टब में नहाते दिखे क्लिंटन, माइकल जैक्सन की भी तस्वीरें ; 7 सेट में 3 लाख दस्तावेज जारी

राष्ट्रबाण | वॉशिंगटन डीसी | एजेंसी | rashtrabaan.in

**अमेरिकी** जस्टिस डिपार्टमेंट ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच के तहत शुक्रवार रात ढाई बजे (भारतीय समय के मुताबिक) तीन लाख दस्तावेज जारी कर दिए हैं। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप सिंगर माइकल जैक्सन, हॉलीवुड एक्टर क्रिस टकर, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू जैसे दिग्गजों की तस्वीरें सामने आई हैं।

कुछ फोटोज में क्लिंटन लड़कियों के साथ पूल में नहाते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। पहले ये सभी तस्वीरें 4 सेट में जारी की गईं। इसके कुछ घंटे बाद 3 और सेट जारी किया गया। इसमें कुल मिलाकर 3,500 से अधिक फाइलें हैं, जिनमें 2.5 जीबी से ज्यादा की तस्वीरें और दस्तावेज शामिल हैं। हालांकि कई तस्वीरों में यह साफ नहीं है कि ये कहां ली गई हैं। इन खुलासों का असर कितना बड़ा होगा, यह अभी साफ नहीं है। वजह यह है कि दस्तावेजों की संख्या बहुत ज्यादा है और एपस्टीन से जुड़ी काफी तस्वीरें पहले भी सामने आ चुकी है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने यह भी कहा है कि कुछ दस्तावेज अभी रोके गए हैं, क्योंकि कुछ जांचें चल रही हैं या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कारण हैं। जेफ्री एपस्टीन एक फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था।

### अब तक इन मशहूर हस्तियों की तस्वीरें आईं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प
पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन
पॉप स्टार माइकल जैक्सन
प्रिंस एंड्रयू और उनकी पत्नी सारा फर्ग्यूसन
अमेरिकी होस्ट ओप्रा विन्फ्रे
हॉलीवुड एक्टर केविन स्पेसी
और क्रिस टकर
अरबपति रिचर्ड ब्रैसनन

# राजधानी एक्सप्रेस से टकराकर 7 हाथियों की मौत

## एक घायल ; ट्रेन के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे, कोहरे के कारण हादसे की आशंका

राष्ट्रबाण | गुवाहाटी | एजेंसी | rashtrabaan.in

**असम** के होजाई जिले में शनिवार सुबह हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई और एक हाथी का बच्चा घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए।

यह हादसा सुबह 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुआ। शुरुआत में आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना थी, लेकिन बाद में पुष्टि हुई कि एक हाथी का बच्चा

जिंदा है और गंभीर रूप से घायल है। हादसे में किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है।

नगांव के डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर सुहास कदम ने बताया कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण यह हादसा होने की आशंका है। मृत हाथियों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है, जबकि स्थानीय पशु चिकित्सक घायल हाथी का इलाज कर रहे हैं।

### इमरजेंसी ब्रेक लगाने के बावजूद हाथी ट्रेन से टकराए

नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे (हस्त्रक) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि हादसा गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर दूर लुमडिंग डिवीजन के तहत जमुनामुख-कांपुर सेक्शन में हुआ। हादसे वाली जगह अधिसूचित हाथी कॉरिडोर नहीं है। अधिकारी के अनुसार, हाथियों का झुंड अचानक ट्रेन के सामने आ गया। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन इसके बावजूद हाथी ट्रेन से टकरा गए। फॉरेस्ट ऑफिसर ने बताया कि मृत हाथियों का अंतिम संस्कार घटनास्थल के पास ही किया जाएगा।

# जम्मू-कश्मीर के रतले हाइड्रो प्रोजेक्ट पर खतरा

## 29 मजदूरों के टेरर लिंक मिले ; कंपनी बोली- हटाना मुश्किल लेकिन नजर रखेंगे

राष्ट्रबाण | श्रीनगर | एजेंसी | rashtrabaan.in

**जम्मू-कश्मीर** के किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर बन रहे रतले हाइड्रो प्रोजेक्ट पर खतरा मंडरा रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक प्रोजेक्ट में काम कर रहे 29 मजदूरों के टेरर लिंक मिले हैं। ये कर्मचारी देश विरोधी और क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल थे।

पुलिस ने कंपनी से इन कर्मचारियों को काम पर रखने के फैसले पर फिर से विचार करने को कहा है। ऐसे लोग प्रोजेक्ट की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। कंपनी को ऐसे मजदूरों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए।

850 मेगावॉट क्षमता वाला यह प्रोजेक्ट नेशनल हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और जम्मू-कश्मीर सरकार का जॉइंट वेंचर है। जिसकी अनुमानित लागत 3700 करोड़ रुपये है। कंस्ट्रक्शन का काम मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिया गया है।

पूरा मामला 1 नवंबर का है जानकारी अब सामने आई है। दरअसल पुलिस ने प्रोजेक्ट में काम कर रहे मजदूरों का वेरिफिकेशन किया था। जिसमें यह बात सामने आई कि प्रोजेक्ट में काम करे 29 मजदूरों में से 5 मजदूर एक्टिव या सरेंडर आतंकियों के रिश्तेदार हैं।

# 7 साल की बच्ची को जिंदा जलाया

## बांग्लादेश हिंसा- बीजेपी नेता के घर में आग लगाई, तीन झुलसे

राष्ट्रबाण | ढाका | एजेंसी | rashtrabaan.in

**बांग्लादेश** के लक्ष्मीपुर सदर में शुक्रवार देर रात कुछ उपद्रवियों ने एक घर को बाहर से बंद कर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग में जिंदा जलने से एक 7 साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

यह घर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता बिलाल हुसैन का है। पुलिस के मुताबिक घटना रात करीब 1 बजे की है। आग लगने से बिलाल की 7 साल की बेटी आयशा अख्तर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बिलाल हुसैन और उनकी दो अन्य बेटियां सलमा अख्तर (14) और सामिया अख्तर (14) गंभीर रूप से झुलस गईं। बिलाल का इलाज लक्ष्मीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है, जबकि दोनों बेटियों को गंभीर हालत में ढाका भेजा गया है। बिलाल के घर में लगी आग को उनकी मां हाजरा बेगम ने सबसे पहले देखा।

### बच्चियों की हालत गंभीर, 50% जलीं

लक्ष्मीपुर सदर अस्पताल के रेजिडेंशियल मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) डॉ. अरूप पाल के मुताबिक दोनों लड़कियों की बॉडी का 50-60% हिस्सा जल गया है। उनकी हालत गंभीर है। इसके चलते उन्हें ढाका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में रेफर किया गया है।

विरोधी ताकतों से मिलते हैं, राष्ट्रीय हितों के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहते हैं

# राहुल विदेशों में भारत को बदनाम कर रहेः भाजपा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

**भाजपा** ने शनिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर विदेशों में भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया। भाजपा का दावा है कि राहुल गांधी विदेश दौरों के दौरान भारत-विरोधी ताकतों से मुलाकात करते हैं। साथ ही राष्ट्रीय हितों के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहते हैं।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए के भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, राहुल गांधी अक्सर संसद सत्र के दौरान विदेश यात्राओं पर चले जाते हैं। उदाहरण के तौर पर राहुल के हालिया जर्मनी दौरे का जिक्र किया।

### भाटिया ने ये आरोप भी लगाए

नेता प्रतिपक्ष की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि जब संसद सत्र चले तब वह सदन में मौजूद रहे, लेकिन राहुल विदेश चले गए। राहुल संसद के लगभग हर सत्र के दौरान या उससे पहले विदेश क्यों जाते हैं और भारत के दुश्मनों से क्यों मिलते हैं।
राहुल ने जर्मनी में हर्टी स्कूल में प्रो. डॉ. कॉर्नेलिया वोल से मुलाकात की। भाटिया ने दावा किया कि वोल सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी के ट्रस्टियों में से एक हैं, जिसे अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से फंडिंग मिलती है। राहुल गांधी और निवेशक जॉर्ज

सोरोस के बीच कथित संबंध हैं। उन्होंने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन और सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी का हवाला देते हुए कहा कि इन संस्थाओं के भारत-विरोधी गतिविधियों से संबंध रहे हैं। सोरोस भारत विरोधी बयान देते हैं और भारत में अशांति फैलाने तथा देश की अखंडता और संप्रभुता पर हमला करने के लिए धन देते हैं।
भाटिया ने कहा, राहुल गांधी और जॉर्ज सोरोस दो जिस्म, एक जान की तरह हैं और अब इसका एक और सबूत सामने आया है। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी इस तरह की भारत-विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं। जॉर्ज सोरोस भारतीय नहीं हैं ; वे विदेशी हैं। लेकिन राहुल गांधी ने तो संविधान की रक्षा की शपथ ली है। राहुल गांधी विदेश जाकर उन लोगों से मिलते हैं जो भारत विरोधी हैं। यह कैसा भारत-विरोधी एजेंडा है, जिसमें देश का नेता प्रतिपक्ष ऐसी ताकतों से मिलकर भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है?

# अमेरिकी दूतावास की चेतावनी से भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ीं

## बांग्लादेश में अशांति की आशंका

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ने के बीच अमेरिकी दूतावास ढाका ने अपने नागरिकों के लिए देशव्यापी सुरक्षा चेतावनी जारी की है. चेतावनी में कहा गया है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी हिंसक हो सकते हैं. इसलिए बड़ी भीड़ और प्रदर्शन स्थलों से दूर रहें. यह चेतावनी युवा नेता शरीफ उस्मान हादी के पार्थिव शरीर के ढाका पहुंचने के साथ आई है.

हादी की मौत के बाद शनिवार को बड़े प्रदर्शन और प्रार्थना सभाओं की योजना है, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा है. अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने और स्थानीय मीडिया पर नजर रखने की सलाह दी गई है.शरीफ उस्मान हादी पिछले साल जुलाई क्रांति के प्रमुख नेता थे. 12 दिसंबर को उन पर गोली चलाई गई थी. सिंगापुर में इलाज के दौरान 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई. उनके पार्थिव शरीर को 19 दिसंबर को ढाका लाया गया. शनिवार को संसद भवन के सामने जनाजे की नमाज और बड़े प्रदर्शन होने वाले हैं. इससे पहले ही प्रदर्शनकारियों ने मीडिया हाउसों पर हमले किए और आग लगाई.

### भारत के लिए चिंता के कारण

भारत इस स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है. चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायोग पर पत्थरबाजी हुई. प्रदर्शनों में भारत विरोधी नारे लगे. सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी तत्व सक्रिय हैं, जो अशांति का फायदा उठा सकते हैं. भारतीय दूतावास और मिशन हाई अलर्ट पर हैं. भारत और बांग्लादेशी अधिकारियों के बीच समन्वय चल रहा है.

### क्षेत्रीय प्रभाव और सतर्कता

बांग्लादेश में स्थिरता भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है. दोनों देशों के बीच गहरे लोगों के रिश्ते, सीमा सुरक्षा और कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट हैं. कोई बड़ी अशांति क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है. भारत राजनयिक स्तर पर संपर्क बनाए रखते हुए भारतीय नागरिकों और संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दे रहा है. आने वाले दिनों में सतर्कता और तैयारी मुख्य प्राथमिकता रहेगी.

# वहशी भीड़ का तांडव, हिंदू युवक की सरेआम लिंचिंग

## बांग्लादेश में बर्बरता पर अब एक्शन, 7 अरेस्ट

राष्ट्रबाण

**ढाका.** बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले से सामने आई एक घटना ने न सिर्फ मानवता को शर्मसार किया है, बल्कि कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. ईशनिंदा के नाम पर एक हिंदू युवक को वहशी भीड़ ने बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला, फिर उसके निर्वस्त्र शव को सड़क पर घसीटा, हाइवे जाम किया, डिवाइडर पर टांगा और करीब दो घंटे तक जश्न मनाने के बाद शव को आग के हवाले कर दिया. इस केस में अब सरकार ने एक्शन लिया है, 7 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं.

मृतक की पहचान 27 वर्षीय दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले के ताराकांदा उपजिला का रहने वाला था. वह पायनियर निटवेयर्स (BD) लिमिटेड नाम की गारमेंट फैक्ट्री में काम करता था.

### घटना की शुरुआत कैसे हुई

स्थानीय सूत्रों और बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपू चंद्र दास फैक्ट्री के लिंकिंग सेक्शन में काम कर रहा था. इसी दौरान कथित तौर पर उसने एक सहकर्मी से बातचीत में आपत्तिजनक टिप्पणी की. इस बात की जानकारी तेजी से फैक्ट्री के बाहर फैल गई. कुछ ही समय में सैकड़ों लोग फैक्ट्री गेट के बाहर जमा हो गए और देखते-देखते भीड़ की संख्या 1500 से 2000 के बीच पहुंच गई. भीड़ में आक्रोश बढ़ता गया. नारेबाजी शुरू हुई और प्रदर्शनकारी फैक्ट्री के अंदर घुसने की कोशिश करने लगे.

## फास्ट ट्रैक

### मंत्रियों के विवादों पर घिरी महाराष्ट्र सरकार

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** महाराष्ट्र सरकार में एनसीपी (अजित पवार गुट) के 2 मंत्रियों पर लगे गंभीर आरोपों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है. एनसीपी (शरद पवार गुट) की वरिष्ठ नेता सुप्रिया सुले ने इस पूरे मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे घटनाक्रम महाराष्ट्र की छवि के लिए बुरा है और दिल्ली तक में लोग सवाल पूछ रहे हैं कि राज्य में आखिर चल क्या रहा है. सुप्रिया सुले ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार में शामिल दो बड़े नेताओं पर गंभीर आरोप लगे हैं. उन्होंने बताया कि दिल्ली में उनसे लोग पूछ रहे थे कि महाराष्ट्र में एक और मंत्री का विकेट गिर गया?" उनके मुताबिक, इस तरह की बातें राज्य की छवि को खराब करती हैं और जनता में गलत संदेश जाता है. उन्होंने साफ कहा कि यह स्थिति किसी भी तरह से अच्छी नहीं कही जा सकती. माणिकराव कोकाटे मामले पर चिंता पूर्व मंत्री माणिकराव कोकाटे को लेकर सुप्रिया सुले ने कहा कि किसानों के बारे में जिस तरह की बातें कही गईं, वह दुर्भाग्यपूर्ण हैं. फिलहाल कोकाटे अस्पताल में भर्ती हैं और उन्हें सही इलाज मिलना चाहिए, यह जरूरी है.मनरेगा के नाम को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाने का फैसला गलत है. उनका कहना है कि इससे न सिर्फ प्रतीकात्मक नुकसान हुआ है, बल्कि आगे चलकर राज्यों को मिलने वाली फंडिंग पर भी असर पड़ेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले से राज्य सरकारों को नुकसान होगा और गरीबों से जुड़ी योजनाओं पर भी असर पड़ सकता है.एनसीपी (अजित पवार गुट) और शरद पवार गुट के संभावित गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर सुप्रिया सुले ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में स्थानीय नेता ही फैसला लेंगे.

# असम में राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 8 हाथियों की मौत

## इंजन समेत 5 डिब्बे पटरी से उतरे

राष्ट्रबाण

**होजाई.** असम के होजाई जिले में शुक्रवार देर रात सायरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए. राजधानी एक्सप्रेस का इंजन भी पटरी से उतर गया. दरअसल, रात में रात हाथियों का एक झुंड राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया. हादसे में आठ हाथियों की मौत हो गई जबकि एक हाथ घायल है. रेलवे के अनुसार, इस हादसे में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है.

**दिल्ली से मेघालय के बीच चलती है राजधानी एक्सप्रेस :** एक अधिकारी ने बताया कि प्रभावित जमुनामुख-कामपुर खंड से गुजरने वाली ट्रेनों को अप लाइन से गुजारा जा रहा है और रेल यातायात की बहाली का काम जारी है. सायरंग-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस मिजोरम के सायरंग (आइजोल के पास) को आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) से जोड़ती है.

### इंजन समेत 5 डिब्बे पटरी से उतरे

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के प्रवक्ता ने बताया कि इस घटना में ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए, हालांकि यात्रियों को कोई चोट नहीं आई. प्रवक्ता ने बताया कि नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन देर रात दो बजकर 17 मिनट पर दुर्घटना का शिकार हो गई. नगांव के संभागीय वन अधिकारी सुहाश कदम ने बताया कि यह घटना होजाई जिले के चांगजुराई क्षेत्र में हुई. सुहाश कदम और वन विभाग के अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं.

# धुआं, स्मॉग और दोहरी नीति

## क्या दिल्ली की हवा पर वैश्विक एडवाइजरी डबल स्टैंडर्ड है?

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** दिल्ली की वायु गुणवत्ता संकट को लेकर हाल ही में सिंगापुर, ब्रिटेन और कनाडा द्वारा जारी की गई ट्रैवल एडवाइजरी ने एक गंभीर बहस को जन्म दिया है. इन देशों ने अपने नागरिकों को दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण से सतर्क रहने की सलाह दी. कागज पर यह चेतावनियां स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए थीं, लेकिन व्यवहार में उन्होंने दिल्ली को एक असाधारण रूप से असुरक्षित और टालने योग्य शहर के रूप में पेश किया.

इसमें कोई संदेह नहीं कि दिल्ली की हवा गंभीर संकट में है. आंकड़े डरावने हैं, स्वास्थ्य पर असर वास्तविक है और नीतिगत असफलताएं भी जगजाहिर हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वैश्विक एडवाइजरी हर जगह एक जैसे मानकों पर आधारित हैं, या भारत और खासकर दिल्ली के मामले में कठोर नजरिया अपनाया जाता है.

### एडवाइजरी प्रतिष्ठा पर टिप्पणी जैसी!

विशेषज्ञों का मानना है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संचार तभी प्रभावी होता है जब वह भरोसेमंद और समान हो. जब एक जैसे जोखिमों को अलग-अलग देशों में अलग भाषा में पेश किया जाता है, तो एडवाइजरी स्वास्थ्य चेतावनी से अधिक प्रतिष्ठा पर टिप्पणी बन जाती है.

### दिल्ली को बना दिया जाता है उदाहरण

दिल्ली की समस्या वास्तविक है और समाधान की मांग करती है, लेकिन असहज सवाल यही है कि अगर टोरंटो, लंदन और सिंगापुर अपवाद हो सकते हैं, तो दिल्ली को पहचान क्यों बना दिया जाता है? यह बहस सिर्फ स्मॉग की नहीं, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य संवाद में निष्पक्षता और विश्वसनीयता की है.

# PM मोदी की नादिया रैली में शामिल होने जा रहे 3 भाजपा समर्थकों की ट्रेन हादसे में मौत

## पीएम ने जताया दुख

राष्ट्रबाण

**कोलकाता.** पीएम मोदी पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं .ऐसे में एक दुखद घटना सामने आई है. नादिया जिले के ताहेरपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होने जा रहे मुर्शिदाबाद के तीन भाजपा समर्थकों की ट्रेन हादसे में मौत हो गई. यह घटना शुक्रवार तड़के ताहेरपुर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के किनारे हुई.

**मृतकों की हुई पहचान :** मृतकों की पहचान हो गई है. रामप्रसाद घोष (72 वर्ष), सबलदहा, बरंजा के रहने वाले थे. मुक्तिपद सूत्रधर (63 वर्ष), सबलदहा के रहने वाले थे. बैरब घोष (47 वर्ष), मसाद्दा (संभावित रूप से वही इलाका) के रहने वाले थे.

**मुर्शिदाबाद से जा रहा था 40 लोगों का दल :** स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मुर्शिदाबाद के बरंजा इलाके के सबलदहा गांव से लगभग 40 लोगों का एक दल शुक्रवार रात प्रधानमंत्री की सभा में शामिल होने के लिए ताहेरपुर पहुंचा था.

### शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया

इस दुर्घटना में कम से कम एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. इस हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई. प्रधानमंत्री मोदी ने भी शोक व्यक्त किया है.

# हर बाधा को पीछे छोड़ते हुए दृष्टिबाधित महिला टी-20 क्रिकेट टीम ने हासिल की ऐतिहासिक जीत

## मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया सम्मान

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** भारत की दृष्टिबाधित महिला टी-20 क्रिकेट टीम ने वैश्विक स्तर पर ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है. इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विश्वविजेता टीम की खिलाड़ियों का सम्मान किया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन महिला खिलाड़ियों ने अंतर-राष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है और तिरंगे का मान बढ़ाया है. खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए राज्य सरकार हर संभव सहयोग देगी. उन्होंने आश्वासन दिया कि खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता, रोजगार के अवसर और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए अलग और स्थायी मैदान तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर क्रीड़ा आयुक्त के माध्यम से चर्चा कर उचित कार्रवाई की जाएगी. किसी भी प्रकार की आर्थिक या पारिवारिक परेशानी खिलाड़ियों की खेल प्रगति में बाधा न बने, इसके लिए आवश्यक हर मदद की जाएगी. मुख्यमंत्री के वर्षा शासकीय निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में क्रीड़ा एवं युवा कल्याण आयुक्त शीतल तेली उगले, टीम की कप्तान दीपिका टी.सी., उपकप्तान एवं महाराष्ट्र की खिलाड़ी गंगा कदम, क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के चेयरमैन के. जी. महंतेश, क्रीड़ा विभाग के उपसचिव सुनील पांढरे, जिला क्रीड़ा अधिकारी सुवर्णा बारटक्के सहित टीम की अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहीं.

# 'ऋषभायन-2' वैश्विक सांस्कृतिक एवं वैदिक ज्ञान महोत्सव का भव्य उद्घाटन

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** मुंबई के बोरीवली में आयोजित "ऋषभायन-2" वैश्विक सांस्कृतिक एवं वैदिक ज्ञान महोत्सव के अंतर्गत 'वृषभ कला' प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कर-कमलों से संपन्न हुआ. इस अवसर पर ऋषभायन-2 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तहत 'ऋषभायन' की अवधारणा से साकार हुए 1111 ग्रंथों का लोकार्पण भी किया गया.

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि भगवान ऋषभदेव द्वारा प्रदर्शित "असी, मसी और कृषि" का जीवन मार्ग ज्ञान, साधना, सुरक्षा और कृषि के माध्यम से साहित्य, कला, संस्कृति और सभ्यता को समृद्ध करता है. इन विचारों और ज्ञान को विश्व कल्याण के लिए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन और महान संस्कृति का सशक्त प्रतीक भगवान ऋषभदेव के विचार हैं.

# मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** प्राचीन भारत दुनिया का सबसे उन्नत और आर्थिक महाशक्ति रहा है. भारत के ज्ञान, परंपरा और संस्कृति के कारण देश वैश्विक मंच पर अग्रणी था. यदि इस प्राचीन ज्ञान को आधुनिक तकनीक से प्रभावी रूप से जोड़ा जाए, तो भारत एक बार फिर 'विश्वगुरु' बन सकता है. यह विश्वास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किया. मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि इस मंच पर 'इन्वेंशन, सेल्फ रिलायंस एंड प्रोस्पेरिटी' (नवाचार, आत्मनिर्भरता और समृद्धि) जैसी देश की विकास दिशा तय करने वाली अवधारणा पर मंथन हो रहा है. उन्होंने कहा कि हिंदू केवल एक धर्म नहीं, बल्कि जीवन पद्धति और विचार प्रणाली है, जो हजारों वर्षों से जीवंत है. विश्व की कई प्राचीन सभ्यताएं समाप्त हो गईं, लेकिन सिंधु–हिंदू सभ्यता आज भी कायम है. प्रमाणों से सिद्ध यह सांस्कृतिक निरंतरता दस हजार वर्ष पूर्व से अस्तित्व में रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत नवाचार का मूल स्रोत रहा है. वांद्रे-कुर्ला संकुल स्थित ग्रैंड हयात होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में के. पी. ग्लोबल के अध्यक्ष राजेश शर्मा, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी विद्यानंद, जेएसडब्ल्यू ग्रुप के अध्यक्ष सज्जन जिंदल तथा आईटी मंत्रालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक शैलेश त्रिवेदी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

खगोलशास्त्र और भूगोल जैसे विज्ञान प्राचीन काल में भारत में अत्यंत उन्नत थे, जिसका उल्लेख वेदों और वेदपूर्व साहित्य में मिलता है. उन्होंने आगे कहा कि विश्व अब पांचवीं औद्योगिक क्रांति के दौर में प्रवेश कर चुका है, जो डिजिटलाइजेशन के कारण संभव हो रही है. इस क्रांति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डाटा का विशेष महत्व है. इसके लिए उत्पादन क्षेत्र की अहम भूमिका है, क्योंकि उत्पादन ही अर्थव्यवस्था की रीढ़ है. नवाचार की जड़ें उत्पादन में ही होती हैं और इस औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने की क्षमता भारत के पास है.

# महाराष्ट्र में कंपा देने वाली घटना

## 3 युवकों ने किया गैंगरेप

राष्ट्रबाण

**पुणे/छत्रपति संभाजी नगर.** महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में खौफनाक घटना सामने आई है. एक महिला नर्स ने होटल में गलती से दूसरे कमरे का दरवाजा खटखटा दिया. इसके बाद नर्स के साथ तीन युवकों ने उसके साथ गैंगरेप किया. छत्रपति संभाजीनगर में यह घटना बुधवार की रात रेलवे स्टेशन इलाके के एक होटल में हुई. पुलिस ने तीन आरोपियों को अरेस्ट कर लिया. रिपोर्ट के अनुसार महिला एक दोस्त से मिलने के लिए गई थी. आरोपी महिला नर्स के साथ घिनौनी घटना को अंजाम देने के बाद भाग गए. पुलिस ने मामले के सामने के बाद तकनीकी इनपुट और खुफिया जानकारी के आधार पर तीनों को दबोचा.

**दोस्त ने बुलाया था होटल :** पुलिस के अनुसार पीड़िता एक प्राइवेट अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करती है. वह अपने परिवार में अकेली कमाने वाली है. उसके पति ने हाल ही में काम करना शुरू किया है. महिला ने आर्थिक समस्या होने पर जालना के भोकरदन में रहने वाले एक दोस्त से पैसों की मदद मांगी थी. दोस्त ने उसे होटल में मिलने के लिए बुलाया था. महिला गलती से होटल में दूसरी मंजिल पर चली गई. उसने गलत कमरे का दरवाजा खटखटा दिया.

### आरोपियों में एक MBA स्टूडेंट

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों में घनश्याम राठौड़ (27), ऋषिकेश चव्हाण (25), और किरण राठौड़ (25) शामिल हैं. पुलिस ने बताया कि दोनों राठौड़ एक बैंक में रिकवरी एजेंट हैं, जबकि चव्हाण MBA का छात्र है. उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है. शराब पीने के लिए होटल के कमरे में इकट्ठा हुए थे. पीड़िता गलती से कमरा नंबर 105 के बजाय उनके कमरे नंबर 205 में पहुंच गई. उन्होंने कथित तौर पर स्थिति का फायदा उठाया और उसके साथ गैंगरेप किया. पुलिस के अनुसार पीड़िता के एक छोटा बच्चा है.

**राजनीति** रूस के इस प्लान से अमेरिका में मच जाएगा हड़कंप

# पुतिन ने दे दी ट्रंप को सबसे बड़ी चुनौती

राष्ट्रबाण

**मॉस्को.** रूस-यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता शुरू होने से पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अमेरिका को बहुत बड़ी चुनौती दे दी है. पुतिन ने एक बयान में कहा है , यदि रूस और यूरोपीय देश के प्रयासों को जोड़ दें हम अमेरिका से बड़े आर्थिक खिलाड़ी बन सकते हैं. उन्होंने कहा कि यदि रूस और यूरोपीय देश अपने प्रयासों को मिलाएं तो उनकी संयुक्त जीडीपी अमेरिका से काफी अधिक हो जाएगी. उन्होंने यह बयान 19 दिसंबर 2025 को अपनी वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस और 'डायरेक्ट लाइन' सेशन के दौरान दिया. पुतिन के इस बयान ने एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बनाने का पांसा फेक दिया है. इससे अमेरिका में खलबली मचना तय है.

**पुतिन ने और क्या-क्या कहा:** पुतिन ने आगे कहा, "यदि रूस और यूरोपीय देश मिल जाएं तो हमारी संयुक्त जीडीपी अमेरिका से अधिक होगी. उन्होंने क्रय शक्ति समता (पर्चेजिंग पावर पैरिटी - PPP) के आधार पर यह तुलना की. पुतिन ने जोर देकर कहा कि क्षमताओं को मिलाकर और पूरक बनाकर हम समृद्ध हो सकते हैं. उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब रूस और पश्चिमी देशों (खासकर यूरोपीय संघ) के बीच यूक्रेन युद्ध के कारण तनाव चरम पर है. पुतिन ने कहा कि रूस यूरोप, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ बराबरी की शर्तों पर काम करने को तैयार है और इस सहयोग से सभी को फायदा होगा.

**क्या यूरोप रूस के प्रस्ताव पर कर सकता है अमल :** विशेषज्ञ कहते हैं कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में रूस का EU में शामिल होना असंभव है, क्योंकि रूस ने खुद को यूरोपीय एकीकरण से अलग रखा है और यूक्रेन युद्ध के बाद प्रतिबंधों का सामना कर रहा है. पुतिन ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रूसी अर्थव्यवस्था की मजबूती पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में रूस की जीडीपी 9.7% बढ़ी है, जो यूरोपीय देशों से काफी अधिक है. उन्होंने EU द्वारा फ्रोजेन की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन की मदद के लिए इस्तेमाल करने की कोशिशों को "डकैती" करार दिया. उनका यह बयान यूरोप को संदेश देने का प्रयास लगता है कि प्रतिबंधों और अलगाव के बजाय सहयोग से अधिक फायदा हो सकता है.

### क्या ईयू को अपने साथ जोड़ना चाहता है रूस

पुतिन के इस बयान ने एक तरह से नया वर्ल्ड ऑर्डर का रोडमैप दिखाकर सीधे अमेरिकी अस्तित्व की चुनौती दे दी है. अभी यूरोप पर अमेरिका की पकड़ है. अगर यूरोप और रूस एक हो गए तो जाहिर है कि अमेरिका अलग-थलग पड़ जाएगा और उसकी पावर कमजोर हो सकती है. पुतिन से इस दौरान जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या उनका संकेत यूरोपीय संघ में शामिल होने के लिए है. तो उन्होंने कहा कि कहीं भी रूस के EU में शामिल होने का प्रस्ताव नहीं दिया. वे केवल आर्थिक सहयोग और प्रयासों को जोड़ने की बात कर रहे हैं, जैसे व्यापार, ऊर्जा या अन्य क्षेत्रों में निकट सहयोग. यह एक काल्पनिक तुलना है कि यदि ऐसा होता तो संयुक्त आर्थिक शक्ति अमेरिका से बड़ी हो जाती.

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 21 दिसंबर 2025

# राजधानी राष्ट्रबाण

● बैरसिया ● हुजूर ● कोलार

# शिक्षा विभाग में पांच करोड़ से अधिक के गबन के आरोप, जांच लंबित

## वित्तीय अनियमितताओं का मामला

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शहडोल जिले के शिक्षा विभाग में कथित तौर पर करोड़ों रुपये के वित्तीय गबन के मामले ने प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। 9 सितंबर को जनसुनवाई के दौरान संभागायुक्त को सौंपी गई शिकायत में विभागीय अधिकारियों पर फर्जी फर्मों के माध्यम से सरकारी धन के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए गए थे। तीन महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं होने से पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

### फर्जी बिल और कथित धन हेराफेरी

शिकायतकर्ता लक्ष्मण गुप्ता का आरोप है कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच पेंटिंग, मरम्मत, निर्माण, फर्नीचर, स्टेशनरी और प्रशिक्षण जैसे कार्यों के नाम पर फर्जी बिल बनाकर करोड़ों रुपये निकाले गए। शिकायत में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी, राष्ट्रीय शिक्षा मिशन से जुड़े अधिकारी और तत्कालीन लेखाधिकारी की भूमिका संदिग्ध बताई गई है। दस्तावेजों में कई बड़े भुगतानों का उल्लेख है, जिनके साथ आदेश क्रमांक और तिथियां संलग्न हैं।

### प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या इस कथित घोटाले की निष्पक्ष जांच हो पाएगी और दोषियों पर कार्रवाई होगी या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह कागजों में दबकर रह जाएगा। यह प्रकरण जिले में प्रशासनिक जवाबदेही की गंभीर परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

### बिना निविदा किए लाखों रुपये का भुगतान

एक विशेष निर्माण फर्म पर बिना निविदा और आवश्यक स्वीकृतियों के लाखों रुपये के भुगतान का आरोप लगाया गया है। जिन स्कूलों और छात्रावासों में कार्य दिखाया गया, वहां वास्तविक रूप से कार्य नहीं होने का दावा किया गया है। शिकायत में यह भी आरोप है कि भुगतान की राशि का कथित रूप से अधिकारियों और अन्य लोगों के बीच बंटवारा किया गया।

### कार्रवाई में देरी और जांच की अनिश्चितता

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाए हैं कि कुछ कर्मचारियों पर दबाव बनाया गया और नियमविरुद्ध कार्रवाई की धमकियां दी गईं। पहले की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई और फाइलें दबाई गईं। हाल ही में गठित जांच समिति ने दस्तावेज तलब किए, लेकिन अब तक कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया।

# चल पड़ी भोपाल मेट्रो खट्टर-सीएम के साथ 30 बच्चे भी सवार

## हरी झंडी दिखाई, सुभाष नगर से एम्स तक सफर ; देखें ट्रेन का पहला सफर और स्टेशन के वीडियो

भोपाल| संवाददाता
rashtrabaan.in

राजधानी भोपाल में मेट्रो सेवा का आज औपचारिक शुभारंभ हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भोपाल मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर इसकी शुरुआत की। इसके बाद दोनों नेताओं ने सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो में सफर किया। इस ऐतिहासिक उद्घाटन यात्रा में 30 स्कूली बच्चों सहित कुल करीब 300 लोग मेट्रो ट्रेन में सवार रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एम्स मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे, जहां उनके साथ केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, नगरीय प्रशासन मंत्री विश्वास सारंग और भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

करीब 7 साल बाद भोपाल में मेट्रो का सपना साकार हुआ है। मेट्रो का यह पहला चरण सुभाष नगर से एम्स तक 6.22 किलोमीटर लंबा है, जिसमें कुल 8 स्टेशन शामिल हैं। उद्घाटन से पहले सभी स्टेशनों पर रातभर तैयारियां चलीं और स्टेशनों को फूलों से सजाया गया। भोपाल मेट्रो सेवा आम यात्रियों के लिए कल से शुरू होगी। इससे शहर के सार्वजनिक परिवहन को नई गति मिलेगी और ट्रैफिक दबाव कम होने की उम्मीद है।

### भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी का भी शुभारंभ

इससे पहले भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी का भी औपचारिक शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित हुआ, जिसमें कई मंत्री और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रिकॉर्डेड वीडियो संदेश भी दिखाया गया।

### शहरी विकास को लेकर पीएम का स्पष्ट दृष्टिकोण

भोपाल मेट्रो की शुरुआत को लेकर मंत्री विश्वास सारंग ने इसे मध्यप्रदेश और राजधानी भोपाल के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी का शहरी विकास को लेकर एक स्पष्ट और दूरदर्शी दृष्टिकोण है, जिसके तहत देश के शहरों को आधुनिक और सशक्त बनाया जा रहा है। स्वच्छता से लेकर रोजगार सृजन और अधोसंरचना विकास तक हर क्षेत्र में निरंतर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकास की रफ्तार लगातार तेज हुई है। भोपाल मेट्रो की शुरुआत राजधानीवासियों के लिए निश्चित रूप से एक बड़ी सौगात साबित होगी और शहर की यातायात व्यवस्था को नया आयाम देगी।

### 21 दिसंबर से आम लोगों के लिए क्या बदलेगा

21 दिसंबर से भोपाल मेट्रो सिटी के रूप में अपना नाम दर्ज कर लेगा। सुबह 9 बजे आम लोगों के लिए पहला सफर एम्स स्टेशन से शुरू होगा। दोनों तरफ से शाम तक कुल 17 ट्रिप होंगी। इनमें एम्स से सुभाष नगर के बीच 9 और सुभाष नगर से एम्स के बीच 8 ट्रिप शामिल हैं। सभी स्टेशन पर एसकेलेटर, लिफ्ट और रैम्प की व्यवस्था है। सुभाष नगर, डीबी मॉल, एमपी नगर में फुट ओवरब्रिज बनाए गए हैं ताकि दोनों तरफ से यात्री आ-जा सकें। रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन को फुट ओवरब्रिज के जरिए रेलवे स्टेशन से जोड़ा गया है। ऐसे में रेल से आने वाले यात्री सीधे मेट्रो स्टेशन पहुंच जाएंगे और फिर मेट्रो में सवार होकर आगे का सफर कर सकेंगे। ऐसा ही एम्स स्टेशन पर भी किया गया है। एम्स जाने वाले यात्री फुटओवर ब्रिज के जरिए सीधे एम्स कैंपस में ही उतर जाएंगे। उन्हें घूमना नहीं पड़ेगा।

### 3 जोन में बांटा किराया, फ्री राइड नहीं

सभी मेट्रो स्टेशनों पर टिकट ऑनलाइन की जगह मैनुअल ही मिलेंगे यानी, सफर करने से पहले काउंटर से टिकट लेना पड़ेगा। मेट्रो का किराया 3 जोन में बांटा गया है। कुल 8 स्टेशनों में से पहले दो स्टेशन का किराया 20 रुपए है। 3 से 5 स्टेशन का 30 रुपए और 6 से 8 स्टेशन का किराया 40 रुपए लगेगा। इसे ऐसे समझें कि यदि आप डीबी मॉल स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन जाते हैं तो आपको 20 रुपए चुकाने होंगे, लेकिन यदि आप एम्स तक की यात्रा कर रहे हैं तो आपको 40 रुपए किराया देना पड़ेगा। इंदौर में 31 मई को मेट्रो का कमर्शियल रन हुआ था। शुरुआती 7 दिन तक लोगों को मुफ्त में सफर कराया गया था। वहीं, एक महीने तक 25त्न से 75त्न तक किराए में छूट मिली थी। उम्मीद थी कि किराए का ये मॉडल भोपाल में भी अपनाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

### 8 में से एक भी स्टेशन पर पार्किंग नहीं

मेट्रो के सभी 8 स्टेशनों पर सबसे बड़ी कमी पार्किंग की है। एक भी स्टेशन ऐसा नहीं है, जहां पार्किंग की व्यवस्था हो। ऐसे में यात्रियों की गाड़ियां दूसरों की पार्किंग या फिर सड़क किनारे ही खड़ी हो सकेंगी। दूसरी ओर, किसी और पार्किंग में गए तो जितना पैसा फ्यूल यानी ईंधन का बचेगा, उससे ज्यादा पार्किंग चार्ज देना पड़ेगा, क्योंकि जिन जगहों पर प्राइवेट पार्किंग है, वहां मेट्रो के किराए से भी दोगुना पार्किंग चार्ज है। उद्घाटन से पहले दैनिक भास्कर टीम सभी 8 स्टेशन पर पहुंची, लेकिन कहीं भी मेट्रो की खुद की पार्किंग नजर नहीं आई। आसपास के एरिया को जरूर व्यवस्थित किया जा रहा है, पर वहां पर 8-10 कारें भी खड़ी नहीं हो सकेंगी। सुभाष नगर, डीबी मॉल, एम्स स्टेशन पर जरूर कुछ गाड़ियां खड़ी हो सकती हैं, लेकिन केंद्रीय स्कूल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम ऑफिस और अलकापुरी में तो इतनी जगह भी नहीं है। हालांकि, मेट्रो एमडी कृष्ण एस. चैतन्य का कहना है कि स्टेशनों पर टू व्हीलर के लिए पार्किंग की व्यवस्था कर रहे हैं। कोशिश है कि यात्रियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो।

### बाहरी काम अगले 3 महीने तक चलते रहेंगे

सुभाष नगर से एम्स तक कुल 8 मेट्रो स्टेशन (सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स) हैं। हरी झंडी दिखाने के बाद जब जनप्रतिनिधि मेट्रो में सवार होंगे तो वह हर स्टेशन पर रुकेगी। सभी स्टेशनों को फूलों से सजाया गया है। हालांकि, बाहर स्लोप, सड़क निर्माण जैसे छोटे-बड़े काम बाकी हैं। मेट्रो अफसरों का कहना है कि बाहरी काम अगले 3 महीने तक चलते रहेंगे। इनसे मेट्रो के संचालन में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

# राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का धमाकेदार आगाज

## कई टीमों ने दिखाई जीत की झलक

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

नगर में 23 दिसंबर तक आयोजित हो रही राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जोर-शोर से शुरू हो गया। प्रतियोगिता के लिए शहर के चार प्रमुख मैदानों का चयन किया गया है, जिसमें महात्मा गांधी स्टेडियम, गुड शेफर्ड कान्वेंट स्कूल, डाइट परिसर और शासकीय कन्या महाविद्यालय का मैदान शामिल है।

### शुरुआती मुकाबलों में विजयी टीमों का प्रदर्शन

शनिवार को महात्मा गांधी स्टेडियम में दिल्ली और चंडीगढ़ की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें दिल्ली की टीम ने बाज़ी मारी। विद्या भारती और मध्यप्रदेश के बीच खेल में मध्यप्रदेश ने जीत हासिल की। मेघालय और गुजरात के मैच में गुजरात विजयी रही, वहीं आंध्र प्रदेश और केंद्रीय विद्यालय के खेल में केंद्रीय विद्यालय की टीम ने जीत दर्ज की। आईपीएससी और केबीएसई के मुकाबले में केबीएसई विजयी रही। गुड शेफर्ड मैदान में आईबीएसई और सीबीएसई वालेयर स्पोर्ट्स के बीच खेला गया मैच सीबीएसई के नाम रहा। एनवीएस और झारखंड के मुकाबले में झारखंड टीम ने जीत हासिल की। पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के मैच में आंध्र प्रदेश विजयी रही। केरल और उत्तर प्रदेश के खेल में केरल ने बाज़ी मारी, वहीं तमिलनाडु और राजस्थान के मुकाबले में तमिलनाडु विजयी रही। बीटीआई परिसर में हुए मुकाबलों में महाराष्ट्र ने पंजाब को हराया, तेलंगाना ने सीआईएससीई को हराया, बिहार ने जम्मू-कश्मीर को हराया और कर्नाटक ने उत्तराखंड को मात दी। दोपहर में महात्मा गांधी स्टेडियम में महाराष्ट्र और सीआईएससीई के बीच हुए मुकाबले में महाराष्ट्र की टीम ने जीत दर्ज की जबकि बीटीआई परिसर में केरल और आंध्र प्रदेश के मैच में केरल विजयी रही।

### खेल प्रेमियों में उत्साह

प्रतियोगिता का आगाज़ खेल प्रेमियों के लिए उत्साह का कारण बना। शहर के मैदानों में दर्शक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

# बुढ़ार ब्लॉक कांग्रेस की कमान युवा नेता अंकित सिंह को, संगठन में नई सक्रियता

**शहडोल।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा घोषित ब्लॉक अध्यक्षों की सूची में शहडोल जिले के बुढ़ार ब्लॉक के लिए अंकित सिंह की नियुक्ति ने राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। युवा चेहरे को जिम्मेदारी सौंपे जाने से कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा का संचार माना जा रहा है। घोषणा के बाद से ही स्थानीय कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कांग्रेस के प्रति लंबे समय से समर्पित रहे अंकित सिंह ने छात्र राजनीति से अपने सफर की शुरुआत की थी। बीते करीब दो दशकों में उन्होंने संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए जमीनी स्तर पर अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। एनएसयूआई से लेकर युवा कांग्रेस और जिला कांग्रेस कमेटी तक उन्होंने हर मंच पर सक्रिय भूमिका निभाई। जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनों में भागीदारी और सरकार की नीतियों के खिलाफ मुखर रुख के कारण अंकित सिंह को एक सक्रिय और संघर्षशील नेता के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी सहित वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में बुढ़ार ब्लॉक कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

# शहर में दिनदहाड़े बाइक चोरी, अपराधियों के हौसले बढ़े

## चोरी की वारदात ने बढ़ाई सुरक्षा चिंता

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शहर में दिनदहाड़े चोरी की वारदात ने लोगों की सुरक्षा चिंता बढ़ा दी है। थाना कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को अज्ञात चोर ने घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर ली। घटना पूरी तरह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। पीड़ित अरुण मोंगरे ने बताया कि उन्होंने अपनी एचएफ डीलक्स बीएस 4 मोटरसाइकिल एमपी 18 एमएल 5578 घर के सामने खड़े की थी लेकिन जब परिजन बाहर आए तो बाइक गायब थी। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि एक युवक मोटरसाइकिल चुरा कर भागा है। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 305 (बी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# परीक्षा परिणामों पर एनएसयूआई का विरोध

## मूल्यांकन व्यवस्था बदलने की उठी मांग

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के हालिया परीक्षा परिणामों को लेकर छात्रों का असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। शुक्रवार को एनएसयूआई शहडोल ने जिला प्रशासन के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए विश्वविद्यालय की परीक्षा और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठाए। संगठन ने परिणामों में व्यापक गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।एनएसयूआई नेताओं का कहना है कि बीए, बीएससी और बीकॉम पाठ्यक्रमों के घोषित परिणामों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को असफल, सप्लीमेंट्री या परिणाम रोके जाने की स्थिति में रखा गया है, जिससे छात्रों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो रहा है। संगठन के अनुसार यह स्थिति मूल्यांकन प्रक्रिया की गंभीर खामियों की ओर इशारा करती है। छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि परीक्षा संचालन और मूल्यांकन की जिम्मेदारी सीमित अधिकारियों के हाथ में होने से पारदर्शिता समाप्त हो गई है। साथ ही परीक्षा प्रभारी के व्यवहार को लेकर भी लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे छात्रों में भय और असंतोष का माहौल बना हुआ है। एनएसयूआई ने मांग की कि परिणामों की दोबारा जांच कराई जाए, मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार किया जाए और छात्रों के हित में ठोस निर्णय लिए जाएं। संगठन ने यह भी संकेत दिया कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता अभियान, नियमों का पालन कर सुरक्षित नागरिक बनने की दी गई सीख

# जिले में सड़क सुरक्षा और नियमों का प्रचार

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर जिला मुख्यालय स्थित यातायात थाने में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि नियमों का पालन कर ही हम जागरूक नागरिक बनने का परिचय दे सकते हैं। उन्होंने वाहन चलाते समय ड्रायविंग लाइसेंस का होना, हेलमेट का उपयोग, सही पार्किंग जैसी सावधानियों पर जोर दिया। 1 जनवरी से नियम उल्लंघन की फोटो शिकायत की नई व्यवस्था की जानकारी भी दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान ने कहा कि जीवन अमूल्य है, इसलिए दो पहिया में हेलमेट, चार पहिया में सीटबेल्ट और गति सीमा का पालन अनिवार्य है। नगर पुलिस अधीक्षक राघवेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले राहवीरों को 25 हजार रुपये पुरस्कार दिया जाता है। यातायात प्रभारी संजय जायसवाल ने वाहन चलाते समय नशा, मोबाइल उपयोग और रेल फाटक पर इंतजार जैसी सावधानियों का महत्व समझाया।

### विभिन्न कार्यक्रम हुए आयोजित

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। यातायात गीतों, नुक्कड़ नाटक और वीडियो के माध्यम से आमजन को नियमों की जानकारी दी गई। विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों में आयोजित वाल पेंटिंग, चित्रकला, रंगोली, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं संस्थाओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रैफिक वार्डनों को टी-शर्ट और कैप देकर पुलिस अधीक्षक ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन यातायात आरक्षक ने किया।

संपादकीय

# 'भारत तोड़ो' की साजिशें

बीती 16 दिसंबर वह तारीख थी, जब 1971 में पाकिस्तान के 93,000 फौजियों को भारतीय सेना के सामने आत्म-समर्पण करना पड़ा था. उन्हें अपने हथियार जमीन पर रखने पड़े थे. नतीजतन बांग्लादेश की मुक्ति का आगाज हुआ था. भारतीय सेनाओं ने बांग्ला मुक्ति संग्राम में विशेष योगदान दिया था और पाकिस्तान को दोफाड़ करने की लड़ाई लड़ी थी. पूर्वी पाकिस्तान, अंततः बांग्लादेश बना था. वह भारत का ही सृजन था, लेकिन शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से तख्तापलट के बाद हमारी ही 'औलाद' अब हमें आंखें दिखा रही है. यह असहनीय होना चाहिए. भारत को कड़ी प्रतिक्रिया, बल्कि कार्रवाई करनी चाहिए. सिर्फ उसके राजदूत को मंत्रालय में बुला कर विरोध जताने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि नौबत 'भारत तोड़ो' तक की आ गई है. बांग्लादेश के अराजक और जेहादी तत्त्व धमकियां दे रहे हैं. पूर्वोत्तर के सात राज्यों को भारत से अलग करने, वहां विद्रोहियों को पुनः सक्रिय करने और तनाव, उग्रवाद फैलाने की धमकियों के अलावा साजिशें भी रची जा रही हैं. अब पाकिस्तान बांग्लादेश को अपना 'भाई' बता रहा है और साज़िशों का सूत्रधार बना है. उल्फा की सैन्य ईकाई के सरगना परेश बरुआ को चीन से ढाका लाने की कोशिशें जारी हैं, ताकि पूर्वोत्तर को फिर अस्थिर किया जा सके. ढाका में भारतीय दूतावास के बाहर बेहद उत्तेजक और उन्मादी विरोध-प्रदर्शन किया गया. दूतावास में घुसने की कोशिशें की गईं. नारे लगाए गए-'बाबर के रास्ते पर चलो, सात राज्यों को आज़ाद कराओ'...'जो हत्यारे को पनाह दे, उसे तोड़ दो, तोड़ दो.' शेख हसीना को 'हत्यारा' करार दिया जा रहा है, जिन्हें भारत ने शरण दी है. बांग्लादेश सरकार की ओर से बार-बार आग्रह किया जा रहा है कि भारत शेख हसीना को सौंप दे. बांग्लादेश के कठमुल्ला, कट्टरपंथी बयान सामने आ रहे हैं कि बांग्लादेश और पूर्वोत्तर के बीच 'चिक-ननेक' को बंद किया जाए, ताकि पूर्वोत्तर अपने आप ही भारत से कट जाए. बांग्लादेश की कट्टरपंथी, भारत-विरोधी जमात यह नहीं जानती कि भारत 1971 में ही इस 'चिकननेक' को चौड़ा कर सकता था अथवा इसे अपने कब्जे में ले सकता था, लेकिन भारत ने बांग्ला की मुक्ति और आजादी का सम्मान किया. बीते गुरुवार को संसद में विदेश मंत्रालय की स्थायी समिति की रपट में कहा गया है कि बांग्लादेश की वायुसेना के लालमोनिरहाट एयरबेस की हवाई पट्टी चीन बना रहा है. यह इलाका सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बेहद करीब है, जिसे संवेदनशील 'चिकननेक' के तौर पर जानते हैं.

ऐसा लग रहा है कि साजिशों में पाकिस्तान के साथ चीन भी शामिल है! पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के 3 अधिकारी फर्जी पासपोर्ट पर बांग्लादेश गए थे. नौसेना के दो अफसर भी ढाका गए थे. आईएसआई के सौजन्य से ही बांग्लादेश में 28 फरवरी,

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार (परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री) मुहम्मद यूनुस 85 साल के हो गए हैं, लेकिन उनका एकमात्र मकसद शेख हसीना को फांसी पर लटकाने का लगता है. इस संदर्भ में वहां की एक अदालत से 'सजा-ए-मौत' का फैसला भी करा लिया गया है. यूनुस को 2006 में नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था, लेकिन अब इस उम्र में उनकी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं उभर आई हैं.

# बदलती दुनिया में साझेदारी की नई राह

जाहिर है, इस सबसे श्रम की प्रमुखता वाले कई क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लघु तथा मध्यम उद्योगों के साथ-साथ कारीगरों से लेकर महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को मजबूती मिलेगी. इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में ओमान ऐसा देश है, जहां भारतीय सेना की तीनों शाखाएं नियमित संयुक्त अभ्यास करती हैं. इस लिहाज से देखें तो भारत को जिस तरह पहले से ही ओमान के दुक्म बंदरगाह पर जरूरत होने पर साजो-सामान के उपयोग की सुविधा मिली हुई है, उसमें नया समझौता सहयोग को और मजबूत करेगा.

बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत और ओमान के बीच गुरुवार को हुए मुक्त व्यापार समझौते को आर्थिक मोर्चे पर एक दूरगामी असर वाली साझेदारी के तौर पर देखा जा सकता है. दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से दुनिया के कई विकसित और शक्तिशाली देश अपने इर्द-गिर्द एक ऐसा घेरा बनाने की कोशिश में हैं, जिसमें तीसरी दुनिया के देशों की उन पर निर्भरता बनी रहे और वे मन-मुताबिक अपनी सुविधा की शर्तें उन पर थोपते रहें. जबकि पारंपरिक रूप से सहयोगी रहे या फिर नए सिरे से संबंध विकसित करने में रुचि रखने वाले देशों के मामले में भारत का रुख पहले भी परिपक्व और उदार रहा है. इस क्रम में अब ओमान के साथ भारत ने जिस तरह व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता किया है, वह आने वाले समय में न केवल दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया आयाम रचेगा, बल्कि बहुध्रुवीय दुनिया में विकल्पों के नए मोर्चे भी सामने आ सकते हैं. इससे पहले भी भारत ने ताकतवर देशों के प्रभाव में आने के बजाय अपनी जरूरत के मुताबिक सहयोग के मोर्चे पर कदम बढ़ाया है. गौरतलब है कि भारत और ओमान के बीच पिछले करीब सात दशक से अच्छे और कूटनीतिक संबंध रहे हैं. उसी को और मजबूत करने तथा अपने व्यापार को विस्तार देने के उद्देश्य से भारत ने ओमान के साथ अब जिस मुक्त व्यापार समझौते को आकार दिया है, उसके सकारात्मक असर अगले कई दशक तक देखने को मिल सकते हैं.

इस करार के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को नई गति मिलने और खासतौर पर युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अवसर खुलने की उम्मीद की जा रही है. समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद और चमड़े के सामान सहित भारत के अट्ठानबे फीसद निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी. वहां के प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों को विदेशी निवेश की अनुमति में भी बड़ी कामयाबी मिली है.दुक्म बंदरगाह भारत के लिए एक वैकल्पिक रणनीतिक ठिकाना है और यह भारतीय नौसेना को पश्चिमी हिंद महासागर में मजबूत आधार देता है. ऐसे में दोनों देशों के बीच हुए करार की अहमियत समझी जा सकती है. खासतौर पर पिछले कुछ महीने से जिस तरह अमेरिका ने मनमाने तरीके से शुल्क लगा कर अपनी सुविधा के मुताबिक नीतियां बनाने के लिए भारत पर दबाव डाला, वह एक तरह से व्यापार में वर्चस्व कायम करने की कोशिश थी. दूसरी ओर, चीन है, जिसे कारोबार के मामले में भारत के लिए वैकल्पिक रास्ते खुलने से निराशा होगी. मगर ओमान सहित अनेक देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध रहे हैं और उसे मजबूत करने के क्रम में विकल्प खुलते हैं, तो यह भारत की उपलब्धि है. अमेरिका और चीन जैसे देशों के लिए भी यह सोचने का मौका है कि बहुध्रुवीय विश्व और बदलते समीकरण के दौर में क्या कोई देश अपना वर्चस्व कायम करने की नीति पर ज्यादा देर टिक सकता है!

# भारतीय धरोहर की वैश्विक स्वीकार्यता

अंधकार पर प्रकाश की विजय के पर्व दीपावली को संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है. भारत के लिए यह एक उपलब्धि है. अभी तक यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में भारत की 15 धरोहरें शामिल थीं. इनमें कुंभ मेला, गुजरात का गरबा नृत्य, कोलकाता की दुर्गा पूजा, योग, वेद पाठ, रामलीला, छाऊ नृत्य, नवरोज त्योहार, कालबेलिया नृत्य प्रमुख हैं. दीपावली को 16वीं अमूर्त विरासत के रूप में यूनेस्को की सूची में जोड़ा गया है. भारत की सांस्कृतिक परंपराएं महज अतीत का एक प्रमाण मात्र ही नहीं हैं, अपितु वे पूर्णतया जीवंत हैं और प्रत्येक भारतीय के जीवन के सूक्ष्म अनुभवों में धड़कती हैं.

भारत अपने त्योहारों, रीति-रिवाजों, लोककथाओं, संगीत, नृत्य, खान-पान और सामाजिक व्यवहारों के माध्यम से केवल अपना अतीत ही नहीं संभालता, बल्कि अपने आत्मा को भी जीवंत रखता है. जब कोई सांस्कृतिक परंपरा वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित होती है, तो उसके अर्थ एवं भाव स्थानीयता से उठकर सार्वभौमिकता की ओर बढ़ जाते हैं. यूनेस्को ने दीपावली को न केवल एक त्योहार के रूप में देखा, बल्कि एक सांस्कृतिक दर्शन के रूप में पहचाना, जो अनंत काल से हमारे समाज का अभिन्न अंग बना हुआ है. भारत का सांस्कृतिक तंत्र जितना विशाल है, उतना ही जटिल भी है.

यहां पग-पग पर भाषा, भोजन की शैली, पहनावा, लोकगीतों का सुर, त्योहारों की परंपरा, आचार-विचार आदि भिन्न रूप ग्रहण करते हुए सामने आते हैं, किंतु इन तमाम विविधताओं को एक सूत्र में बांधने का कार्य उसी विविधता में विद्यमान एकता के द्वारा किया जाता है. दीपावली का त्योहार इस एकतासूत्र का सर्वोत्तम उदाहरण है. देश के विभिन्न हिस्सों में हर जगह दीपों की संख्या भले ही अलग हो, किंतु प्रकाश का अर्थ, स्वरूप एवं उसमें निहित संदेश एक ही रहता है. इस व्यापकता और बहुस्तरीयता को समझना अपने आप में भारत की सांस्कृतिक शक्ति को समझना है. दीपावली का यूनेस्को सूची में शामिल होना एक सांस्कृतिक उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि भारत के लिए व्यापक अवसर है-सांस्कृतिक संवाद को विस्तार देने का, वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का और आने वाली पीढ़ियों में सांस्कृतिक आत्मविश्वास जगाने का. हम इस अवसर का उपयोग सांस्कृतिक संवर्धन, आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सामंजस्य के रूप में कर सकें तो बेहतर, क्योंकि भविष्य में दीपावली के अवसर पर विदेशी पर्यटक भी भारत की ओर भ्रमण हेतु उन्मुख होंगे.

# किसान की किडनी जाना अनुचित!

देश में मोदी सरकार हमेशा 'पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था' के बड़े-बड़े शिगूफे छोड़ती रहती है. लेकिन महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले की एक खबर ने मन को सुन्न करते हुए इन शिगूफों की हवा निकाल दी है. एक किसान को साहूकार का कर्ज चुकाने के लिए अपनी किडनी बेचनी पड़ी. यह

अमानवीय घटना विदर्भ क्षेत्र से आई है, जहां से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आते हैं. इस किसान का नाम रोशन सदाशिव कुडे है. रोशन के पास नागभिड़ तालुका के मिंधुर गांव में चार एकड़ जमीन है. उनका पूरा परिवार इसी जमीन पर गुजर-बसर करता है. कुछ साल पहले उन्होंने ब्रह्मपुर के एक साहूकार से सिर्फ एक लाख रुपए का कर्ज लिया था. हालांकि, वह ब्याज चुकाए जा रहा था, लेकिन मूलधन कम नहीं हो रहा था. आखिर एक लाख रुपए का कर्ज कितना बढ़ सकता है? यदि कुछ हजारों का ब्याज मान लिया जाए और उसे समय पर नहीं चुकाने पर १ लाख का कर्ज ज्यादा से ज्यादा कितना हो सकता है दो लाख या तीन लाख, लेकिन पैसे के लालची साहूकारों ने इस गरीब किसान पर भयानक चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर एक लाख के ऋण को 74 लाख तक बढ़ा दिया. प्रकृति की अनियमितताओं के कारण खेती लाभदायक न होने के चलते, रोशन कुडे ने खेती के साथ पूरक व्यवसाय करने के लिए दो गायें खरीदीं. इसके लिए उसने साहूकारों से प्रत्येक गाय के लिए 50-50 हजार का ऋण लिया था. रोशन का दुर्भाग्य था कि ये दोनों गायें थोड़े ही समय में मर गईं. खेत से कोई आमदनी नहीं हुई और गाय खरीदने के लिए लिया गया ऋण पहाड़ बन गया. साहूकार और उनके आदमी बार-बार घर आते और उसके साथ बदतमीजी करते. जब वह परिवार के सामने लगातार अपमान सहन नहीं कर सका, तो उसने अपने चार एकड़ खेत में से 2 एकड़ बेच दिए और साहूकारों का ब्याज चुका दिया, लेकिन साहूकारों का लालच नहीं रुका. ट्रैक्टर और घर के छोटे-बड़े सामान अपनी सारी संपत्ति बेचकर कर्ज चुकाने के बाद भी साहूकारों के ब्याज का चाबुक रुका नहीं. साहूकार 1 लाख रुपए पर प्रतिदिन 10,000 रुपए का भयानक ब्याज वसूलते रहे. किसान से लाखों रुपए वसूलने के बाद भी साहूकार संतुष्ट नहीं हुए.

# राशिफल

■ **मेष**: आज का दिन मेहनत और धैर्य से आगे बढ़ने का है. कामकाज में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें अच्छे से निभा पाएंगे. प्रेम जीवन में छोटी बातों पर बहस से बचें. पैसों के मामले में स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन फिजूलखर्ची न करें. सेहत सामान्य रहेगी, बस थकान महसूस हो सकती है.

■ **वृषभ**: आज रिश्तों में समझदारी जरूरी रहेगी. पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें. ऑफिस में टीमवर्क से फायदा होगा. आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी और पुराने बकाया चुकाने का मौका मिल सकता है. सेहत ठीक रहेगी, लेकिन खानपान पर ध्यान दें.

■ **मिथुन**:आज का दिन बातचीत और संपर्कों के लिए अच्छा है. प्रेम जीवन में खुशी रहेगी और नए रिश्ते बन सकते हैं. करियर में नए आइडिया सराहे जाएंगे. पैसों से जुड़ा कोई फैसला आपके पक्ष में जा सकता है. सेहत को लेकर गले या थकान की समस्या हो सकती है.

■ **कर्क**: आज भावनाओं पर नियंत्रण रखना जरूरी है. प्रेम जीवन में शांति बनाए रखें और बेवजह की बातों से दूर रहें. नौकरी में बदलाव या नई जिम्मेदारी मिल सकती है. आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी. सेहत ठीक रहेगी, लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी रखें.

■ **सिंह**: आज आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा. प्रेम जीवन में मधुरता आएगी. करियर में आपकी मेहनत नजर आएगी और तारीफ मिल सकती है. पैसों के मामले में दिन ठीक रहेगा, लेकिन जोखिम से बचें. सेहत सामान्य रहेगी.

■ **कन्या**: आज नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद रहेगी. प्रेम जीवन में दोस्ती मजबूत होगी. करियर में नए अवसर मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. सेहत ठीक रहेगी.

■ **तुला**: आपका कोई भी कदम आगे चलकर आपको अच्छा रिटर्न दिलाएगा. इस समय रिसर्च करें और फ्यूचर प्लानिंग करें. अगर मेंटली आपको तनाव हो रहा है, तो आपको थोड़ा रिलेक्स करना चाहिए.

■ **वृश्चिक**: लंबे समय की पार्ट-नरशिप आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है. इस समय आप पर नेगेटिव एनर्जी हावी हो रही है. स्वास्थ्य आज ठीक रहेगा. लवलाइफ भी ठीक रहेगी. बिजनेस भी ठीक रहेगा, कोईखास फर्क नहीं होगा.

■ **धनु**: आज संतुलन बनाकर चलने का दिन है. रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी. करियर में नए मौके मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और आय में बढ़ोतरी के योग हैं. सेहत अच्छी रहेगी.

■ **मकर**: आज भाग्य आपका साथ देगा. प्रेम जीवन में नए अवसर मिल सकते हैं. करियर में तरक्की के संकेत हैं. आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी. सेहत अच्छी रहेगी, लेकिन आलस्य से बचें.

■ **कुंभ**: आज काम को प्राथमिकता देनी होगी. रिश्तों में थोड़ी दूरी महसूस हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल निकलेगा. पैसों के मामले में खर्च बढ़ सकता है. सेहत सामान्य रहेगी, बस आराम करें.

■ **मीन**: आज का दिन कुंभ राशि वालों के लिए मेहनत, समझदारी और संयम का है. दिन की शुरुआत थोड़ी व्यस्त हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, स्थितियां आपके पक्ष में आती जाएंगी. कामकाज से जुड़े मामलों में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें अच्छे से निभाने में सफल रहेंगे.

# उच्च शिक्षा में सुधार की सार्थक पहल

पिछले दिनों केंद्र सरकार ने भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समाप्ति) विधेयक, 2018 में आंशिक परिवर्तन करते हुए उसके कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया. 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' नाम से पारित नया विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को विचारार्थ प्रेषित किया गया है.

यह समूचे उच्च शिक्षा क्षेत्र का एकमात्र नियामक तंत्र होगा. हालांकि, चिकित्सा शिक्षा, फार्मेसी और विधि की शिक्षा इसके दायरे में नहीं होगी. अभी उच्च शिक्षा क्षेत्र में अनेक नियामक संस्थाएं कार्यरत हैं. उनके अपने-अपने मानदंड हैं. यूजीसी, एआइसीटीई, एनसीटीई, वास्तु परिषद, कृषि विज्ञान अनुसंधान परिषद, दूरस्थ और मुक्त शिक्षा, आनलाइन और डिजिटल शिक्षा तंत्र, आइ-सीएसएसआर, आइसीएआर, नैक, एनआइआरएफ जैसी एक दर्जन से अधिक नियामक संस्थाएं देश के कला, विज्ञान, व्यवसाय, अभियांत्रिकी, शिक्षा, प्रबंधन, कृषि शिक्षा आदि अनुशासनों से संबंधित उच्च शिक्षण संस्थाओं एवं शोध-संस्थानों की संबद्धता, मूल्यांकन, प्रत्यायन, रैंकिंग, वित्तपोषण और नियंत्रण आदि काम करती हैं. इन अलग-अलग नियामक संस्थाओं के अधीन उच्च शिक्षा पृथक्करण और बहु-परतीय नियंत्रण का शिकार थी. देश भर में ऐसे अनेक उच्च शिक्षण एवं शोध-संस्थान हैं, जहां एक साथ कई प्रकार के पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं और उनसे संबंधित शोध-कार्य किया जाता है. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सभी संस्थानों को क्रमशः बहु-अनु-शासनिक बनाने पर जोर दिया गया है. विभिन्न पेशेवर और परं-परागत संस्थानों की आपसी दूरी और अलगाव के 'स्टील फ्रेम' की क्रमिक समाप्ति की जा रही है. नया आयोग भारत में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ बनाने के लिए उत्तरदायी होगा. इन बहु-अनु-शासनिक उच्च शिक्षण संस्थानों एवं शोध-संस्थानों को अलग-अलग नियामक संस्थाओं का दरवाजा खटखटाना पड़ता था. इस प्रक्रिया में ये संस्थान अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करते रहे हैं. कई बार इन नियामक संस्थाओं में अनिय-मितता एवं पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का दोषारोपण भी होता रहा है. पाठ्यक्रमों के निर्माण एवं उनके कार्यान्वयन में भी ये नियामक संस्थाएं दोषमुक्त नहीं रही हैं. ये स्वायत्त नियामक संस्थाएं आपसी टकराव और अंतर्विरोध का भी शिकार रही हैं. इससे संबंधित संस्थानों को अनावश्यक अड़चन और अवरोध का सामना करना पड़ता है. इसीलिए केंद्र सरकार ने इन सभी नियामक संस्थाओं की कार्यशैली का मूल्यांकन करते हुए इन्हें एक सर्वसक्षम निकाय के अधीन लाने का निर्णय लिया है.

# प्रदूषण पर सत्ता और विपक्ष दोनों एकमत

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते प्रदूषण को हेल्थ इमरजेंसी बताते हुए व्यवस्थित बहस की जरूरत बताई थी. विपक्ष के दूसरे नेता भी इससे सहमत थे और सरकार ने भी हामी भरी थी. लेकिन, गुरुवार को जब लोकसभा में चर्चा की बारी आई तो मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) को लेकर चले हंगामे की वजह से सदन में कामकाज नहीं हो पाया. अब सरकार कह रही है कि वह तो तैयार थी, जबकि कांग्रेस सवाल पूछ रही है कि चर्चा क्यों नहीं हो पाई.

जिस समय सदन में हंगामा हो रहा था, दिल्ली में कई जगह A QI 400 के आसपास था यानी बेहद गंभीर स्थिति. नवंबर से लेकर अभी तक राजधानी के हालात कमोबेश ऐसे ही रहे हैं. पिछले महीने 24 दिनों तक AQI 300 के ऊपर रहा. दिसंबर में स्थिति और खराब हो गई.

# बचपन को किधर ले जा रहा AI?

सांस्कृतिक तौर पर भारतीयता की वापसी के दौर के बावजूद क्रिसमस की धूम कम नहीं होने जा रही. इस बार क्रिसमस पर जब बच्चे हैरतभरी उत्सुकता से गिफ्ट पैक खोलेंगे तो उन्हें ऐसे उपहार मिल सकते हैं, जो उनसे बातचीत करें, उनकी पढ़ाई में काम आएं या फिर सीखने के मोर्चे पर नए सिरे से जुटने की सीख दें. इस बार आखिर ऐसे सरप्राइज की उम्मीद क्यों है? इसका जवाब है, चीन के खिलौना निर्माताओं की सोच. चीनी खिलौना उद्योग ने साल 2025 को कृत्रिम बुद्धिमता यानी AI वर्ष घोषित कर रखा है. इसके तहत वहां ऐसे रोबॉट और टेडी बियर बन रहे हैं, जो बच्चों को सिखा सकते हैं, उनके साथ खेल सकते हैं और उन्हें कहानियां सुना सकते हैं. ध्यान रहे, वैश्विक खिलौना बाजार में चीन की भारी हिस्सेदारी है. दुनिया के 70-80 फीसदी खिलौने चीन में ही बनते हैं और उनका दुनियाभर को निर्यात होता है. भारत के खिलौना बाजार में भी चीन की हिस्सेदारी 65 से 75 प्रतिशत तक है. देश के ग्रामीण इलाकों में AI का शिक्षा में सीधा उपयोग भले ही कम हो, लेकिन शहरों के तमाम स्कूलों में बच्चों को चैट जीपीटी से बनाई सामग्री से पढ़ाया जा रहा है.

# छूटे कर्मचारियों को PF लाभ देने की तैयारी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने छूटे कर्मचारियों को ईपीएफओ का लाभ देने के लिए एक नई योजना शुरू की है. ईपीएफओ ने नियोक्ताओं से कहा है कि वे एक वन-टाइम एनरोलमेंट स्कीम का उपयोग करें. इस योजना के तहत, नियोक्ता पिछले समय में जिन कर्मचारियों को ईपीएफ में शामिल नहीं किया गया था, उन्हें स्वेच्छा से ईपीएफ कवरेज में ला सकते हैं. इसके लिए 6 महीने की विशेष कम्प्लायंस अवधि दी गई है. जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम का मकसद सोशल सिक्योरिटी कवरेज का विस्तार करना और उन कर्मचारियों के रेगुलराइजेशन को आसान बनाना है जो 1 जुलाई, 2017 और 31 अक्टूबर, 2025 के बीच छूट गए थे. ईपीएफओ ने नियोक्ताओं के लिए कम्प्लायंस को आसान बनाने के लिए एक सुविधा-केंद्रित पहल के रूप में कर्मचारी एनरोलमेंट स्कीम (EES)-2025 शुरू की है. यह योजना नवंबर 2025 से शुरू होने वाली 6 महीने की विंडो प्रदान करती है, जिससे प्रतिष्ठान स्वेच्छा से उन योग्य कर्मचारियों को एनरोल कर सकते हैं जिन्हें पहले EPF कवरेज से बाहर रखा गया था. बयान में कहा गया है कि जो प्रतिष्ठान पहले EPF अधिनियम के तहत कवर नहीं थे, वे इस अवधि के दौरान कवरेज के लिए आवेदन कर सकते हैं और बाद में योग्य कर्मचारियों को घोषित और एनरोल कर सकते हैं. यह पहल नियोक्ताओं को लंबे मुकद-मेबाजी या जटिल प्रक्रियाओं का सामना किए बिना पिछली कमियों को नियमित करने में भी सक्षम बनाती है. ईईएस-2025 के तहत, नियोक्ताओं को उन मामलों में महत्वपूर्ण राहत मिलेगी जहां पहले कर्मचारी योगदान नहीं काटा गया था. ऐसी स्थितियों में, नियोक्ताओं को केवल नियोक्ता के योगदान का हिस्सा, धारा 7Q के तहत ब्याज, लागू प्रशासनिक शुल्क और 100 रुपये की एकमुश्त राशि पर सीमित दंडात्मक क्षतिपूर्ति जमा करनी होगी. इस भुगतान को तीनों ईपीएफओ योजनाओं में पूर्ण कम्प्लायंस माना जाएगा. यह योजना उन प्रतिष्ठानों पर भी लागू होगी जिन पर अभी जांच या मूल्यांकन चल रहा है.

# बीसीए के बाद एमसीए करें या एमबीए, जानिए किसमें मिलेगा कमाई का बेहतर अवसर

**बैचलर डिग्री पूरी करने के बाद स्टूडेंट्स एमबीए और एमसीए में एडमिशन को लेकर काफी कंफ्यूज रहते हैं। ऐसे में उन्हें समझ नहीं आता कि उनके लिए कौन सा कोर्स बेहतर है। वहीं किस कोर्स को करने में उन्हें कितनी एवरेज सैलरी मिलेगी। तो आप इस आर्टिकल से सारी जानकारी ले सकते हैं।**

बीसीए करने वाले छात्र अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूजन में रहते हैं कि एमसीए किया जाए या फिर एमबीए । बीसीए एक ऐसा कोर्स है, जो कंप्यूटर एप्लीकेशन के शुरूआती तौर पर परिचय करवाता है। क्योंकि बीसीए करने के दौरान आपको समझ आ जाता है कि आपमें सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर की योग्यता रखते भी हैं या नहीं। बीसीए करने के बाद एमसीए या एमएससी करने का तभी मतलब होता है, जब आप एक सॉफ्टवेयर कंप्यूटर प्रोग्रामर बनना चाहते हों। बता दें कि देश में सॉफ्टवेयर कंपनियां काफी ज्यादा हैं, जो हर साल बड़ी संख्या में एमसीए या एमएससी कंप्यूटर छात्रों का चयन करती हैं।

हालांकि अगर आपको लगता है कि प्रोग्रामिंग स्किल और लॉजिक आपके वश की बात नहीं है, तो ऐसे में बीसीए के बाद आपको एमबीए करना चाहिए। एमसीए के आखिरी सेमेस्टर में स्टूडेंट्स को स्पेशलाइजेशन का पेपर लेना होता है। वहीं एक समय में सिर्फ चार स्पेशलाइजेशन के पेपर होते थे। जिनमें मार्केटिंग, फाइनेंस, एचआर और प्रोडक्शन शामिल थे। लेकिन अब अतिरिक्त ढेरो नए स्पेशलाइजेशन पेपर के ऑप्शन में एमसीए उपलब्ध है। जिनमें एक है सिस्टम या आईटी। इसके अलावा, ई कॉमर्स में काम करने वाली कंपनियां, जैसे अमेजन, टाटा, रिलायंस डिजिटल और फ्लिपकार्ट जैसी अनगिनत कंपनियों में स्टूडेंट्स को नौकरी में तरहीज देती है। इसमें वह छात्र शामिल होते हैं जिनको कंप्यूटर के साथ मैनेजमेंट की भी अच्छी खासी जानकारी हो। तमाम कंपनियां अपने आईटी संबंधी प्रोजेक्ट के लिए ऐसे छात्रों को हायर करती हैं।

## कॅरियर संभावनाएं

बता दें कि एमबीए उन छात्रों के लिए अच्छा है, जो बिजनेस फील्ड में काम करने के इच्छुक होते हैं। एमबीए करने वाले छात्रों को मार्केटिंग, फाइनेंस और ह्यूमन रिसॉर्सेज में काम करने का मौका मिलता है। वहीं अगर सैलरी की बात की जाए तो ऐवरेज सैलरी 5-6L PA होती है। वहीं एमसीए के बाद उन छात्रों को अच्छे मौके मिलते हैं जिन्हें एकेडमिक्स और रिसर्च में इंट्रेस्ट होता है। जिन छात्रों को मैथ्स पसंद है, उनके लिए एमसीए इसके लिए है। एमसीए में आपकी एवरेज सैलरी 4-5L PA होती है।

# दूसरों को कनविंस करना भी एक स्किल है

**आजकल सबसे मुश्किल कामों में से एक है दूसरों को कनविंस करना, यानी अपनी बात मनवाना। यह भी एक स्किल है। अगर आपमें यह स्किल मौजूद है, तो आप निजी जीवन और करियर में भी सफल रहेंगे। जानें अपनी बात मनवाने के कुछ नुस्खे।**

## अच्छे तर्क दें

लोगों से अपनी बात मनवाने के लिए आपका तार्किक होना बहुत जरूरी है और तार्किक होने के लिए आपके पास तर्क किए जाने वाले विषय का ज्ञान जरूर होना चाहिए। आपके पॉइंट्स में वजन होना चाहिए। सामने वाले को कभी ऐसा न लगे कि आप खुद को बहुत विद्वान दिखा रहे हैं। नहीं तो उसका ईगो आड़े आ सकता है और वह किसी भी कीमत पर आपकी बात मानना तो दूर, सुनना भी नहीं चाहेगा।

## विनम्रता से बोलें

आप जो भी बात करें, उसे बहुत विनम्रता के साथ करें। इससे सामने वाले के अहम को ठेस नहीं लगेगी और वह आपकी बात सुनेगा। कोई भी बात स्पीड में न बोलें, नहीं तो सामने वाले को समझने में दिक्कत आ सकती है और साथ ही वह आपकी बात में रुचि नहीं लेगा, चाहे बात कितनी भी वजनदार क्यों न हो।

## बॉडी लैंग्वेज हो सही

आपकी बॉडी लैंग्वेज में अकड़ नहीं दिखना चाहिए। हमेशा अपनी स्वाभाविक स्टाइल में रहें। न कभी झुककर बैठें और न ही झुककर खड़े हों। सीधे बैठने और खड़े रहने से आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे सामने वाला प्रभावित होता है। बात करते समय आई-कॉन्टेक्ट बनाए रखें। चेहरे पर मंद मुस्कान जरूर बनाए रखें। इससे सामने वाले को सकारात्मक संकेत जाएगा।

## बात काटें नहीं

अगर आप चाहते हैं कि सामने वाला आपकी बात सुने, तो वह भी आपके बारे में यही सोच रहा होता है। इसलिए एक-दूसरे की बात को सुनें और सामने वाले की बात पूरी होने पर ही अपनी बात रखें, उसकी बात काटें नहीं।

# कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन

**सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है।**

ज्यादातर लोग कुछ दिन रिलैक्स करने के लिए अलग-अलग पर्यटन स्थलों की शॉर्ट या लॉन्ग ट्रिप प्लान करते हैं। ऐसी जगहों पर स्पा सेंटर्स की खासी मांग होती है, जिसका कारण है यहां मिलने वाली मसाज थैरेपी। अगर आपको लगता है कि यह मसाज हर व्यक्ति की अपनी टेक्निक पर आधारित होती है, तो आप गलत हैं। स्पा मैनेजमेंट कोर्स में स्पा से जुड़ी हर सर्विस की जानकारी व ट्रेनिंग दी जाती है। सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है। लेटेस्ट ट्रेंड्स के मुताबिक सर्विस इंडस्ट्री में स्पा मैनेजमेंट बेहतरीन करियर ऑप्शन के तौर पर उभरा है। अगर आपको भी सर्विस इंडस्ट्री में रुचि है, तो आप बन सकते हैं अच्छे स्पा मैनेजर।

## क्या है स्पा मैनेजमेंट

जैसा कि नाम से जाहिर है, स्पा मैनेजमेंट में स्पा से जुड़ी हर एक्टिविटी प्लान की जाती है, जिसमें वीकली और मंथली प्लान बनाना, उस पर अमल और मार्केटिंग एक्टिविटीज का मूल्यांकन करना शामिल है। साथ ही स्पा का बजट बनाना व स्टाफ को रिक्रूट करके उन्हें ट्रेन करना भी स्पा मैनेजर के काम में शामिल है।

## कैसी स्किल्स चाहिए

बतौर स्पा मैनेजर प्रभावशाली करियर बनाने के लिए आपमें कम्प्यूटर प्रॉफीशियंसी, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, बेहतरीन ऑर्गेनाइजेशनल स्किल्स, इंटर-पर्सनल स्किल्स और अच्छी लीडरशिप स्किल्स होनी चाहिए। इसके अलावा आपमें गेस्ट्स और स्टाफ से सकारात्मकता के साथ व्यवहार करने की क्षमता होनी चाहिए। इन स्किल्स से आपको इंडस्ट्री में एक उच्च स्तर तक पहुंचने में मदद तो मिलेगी ही, साथ ही जॉब के लिए सकारात्मक रवैया बनाए रखने और करियर के उतार-चढ़ाव से निपटने में भी मदद मिलेगी।

## भविष्य की संभावनाएं

स्पा मैनेजर्स को पार्ट टाइम, फुल टाइम और कॉन्ट्रैक्चुअल बेसिस पर हायर किया जाता है। आप चाहें, तो खुद का स्पा सेंटर भी खोल सकते हैं। वैसे सर्विस इंडस्ट्री के सेग्मेंट्स जैसे होटल्स, रिजॉर्ट्स, हेल्थ क्लब्स, क्रूज शिप्स, थैराप्यूटिक सलून्स में आपको अच्छे पे-पैकेज पर जॉब मिल सकती है।

## क्या है वर्क प्रोफाइल

बतौर स्पा मैनेजर आपके पास जनरल बुक कीपिंग, सप्लाइज ऑर्डरिंग, इन्वेंटरी मैनेजिंग और पे-रोल फंक्शंस के कोऑर्डिनेशन का काम होगा। इसके अलावा हर एक्टिविटी की प्लानिंग और उस पर अमल का जिम्मा भी आपका ही होगा। आपको स्पा का बजट मैनेज करने से लेकर वीकली वर्क शेड्यूल बनाने और स्टाफ के प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए वर्कशॉप्स कराने तक सारे काम करने होंगे। इसके अलावा नए स्पा प्रोडक्ट्स और अपग्रेडेशन का भी ध्यान रखना होगा।

## सैलरी कितनी

स्पा मैनेजर्स की सैलरी उनके अनुभव व शिक्षा पर निर्भर होती है। यह भी मायने रखता है कि आप स्पा सेंटर को कितना बिजनेस दे रहे हैं। आम तौर पर फ्रैशर्स को 15 से 18 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिलती है, जो अनुभव के साथ बढ़ती है। वहीं प्रोफेशनल्स 10-15 लाख तक के पैकेज पर काम करते हैं।

## प्रमुख संस्थान

- नैजरेथ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ऐजॉल (मिजोरम)
- आनंदा स्पा इंस्टीट्यूट, हैदराबाद
- स्वास्थ्य आयुर्वेद पंचकर्म ट्रीटमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर, कन्नूर
- माधवबाग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मुंबई
- केरल आयुर्वेद अकैडमी, अलूवा



**मेडिकल प्रवेश के लिए हर साल लाखों छात्र तैयारी करते हैं और अपनी-अपनी रणनीति तय करते हैं। कुछ टिप्स, जो न केवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में, बल्कि किसी भी अन्य प्रतियोगी परीक्षा में भी महत्वपूर्ण होंगे। यहां यह बताना जरूरी है कि देश के लगभग सभी सफल लोगों की यही रणनीति रही है।**

# प्रतियोगी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण होंगे ये टिप्स

- सबसे पहले अपनी मेडिकल परीक्षा के सिलेबस को अच्छी तरह जान लें और उससे संबंधित अध्ययन सामग्री की लाइब्रेरी तैयार कर लें। उपयुक्त अध्ययन सामग्री के चयन में अपने शिक्षक से सलाह लें।
- तैयारी में अपनी पढ़ाई के घंटे न जोड़ें, बल्कि उन घंटों में अपनी उपलब्धि पर ध्यान दें।
- पिछले पांच वर्षों के प्रश्न-पत्र हल करने का प्रयास करें। आप समझ जायेंगे कि आपको कैसी जरूरत है।
- सेलेक्टिव स्टडी से बचें। किसी को भी सेलेक्टिव स्टडी के आधार पर कोई सफलता नहीं मिली।
- प्रश्न हल करने में तेजी लाने का अभ्यास करें, ताकि आपके पास अपने प्रश्न हल करने और उन्हें दोहराने का पूरा समय हो। इसके लिए टाइम मैनेजमेंट सबसे बढ़िया तरकीब है।
- तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर का चुनाव करते समय उसके पुराने ट्रैक रिकॉर्ड देख लें कि वहां सफलता की दर क्या है। फैकल्टी और अध्ययन सामग्री की जानकारी प्राप्त कर ही वहां दाखिला लें।
- अपनी शंकाओं की सूची तैयार करें और तत्काल अपने शिक्षक या गाइड से उसका समाधान लें।
- परीक्षा के समय के लिए भी कुछ टिप्स है। यदि आपको परीक्षा में ऐसा आभास हो कि कोई प्रश्न मुश्किल है और आपका ज्यादा समय ले रहा है तो उसे छोड़ कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय मिलने पर पुन: उस पर ध्यान दें।

# इन कंपनियों में होती है हर महीने हायरिंग, ऐसे करें अप्लाई

**बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।**

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

### मंटीनेशनल कंपनियों में करें अप्लाई

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

### टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

### बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

### पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

### अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

# 12वीं के बाद बिना नीट एग्जाम दिए बनाएं मेडिकल की इस ब्रांच में अपना करियर

**12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।**

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

### पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

### कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

### रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।
इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ़्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

### वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

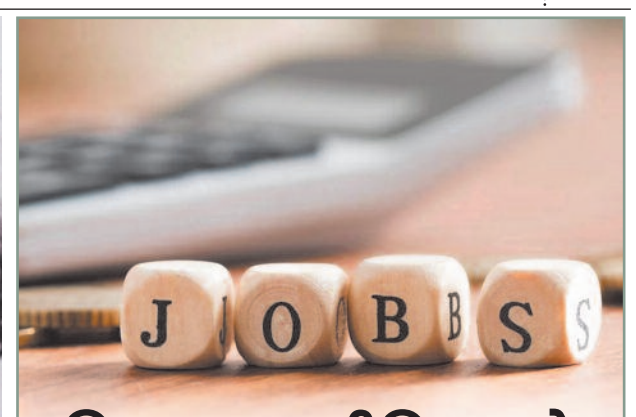


# बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

**आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।**

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

### रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

### एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

### सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

### नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

# आईआईटी की ऐसे करें तैयारी जरूर मिलेगी सफलता

**हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।**

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

### आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए! सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

### सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

### रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

### रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

### समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवतः परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 21 दिसंबर 2025

# बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

## आत्मनिर्भर व भागीदारी सुनिश्चित हुये बगैर महिला सशक्तिकरण नहीं हो सकता : अनुभा मुंजारे

### विधायक अनुभा मुंजारे ने महिला सशक्तिकरण व जलजीवन मिशन पर रखा प्रभावी वक्तव्य

बालाघाट| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

महिलाओं को आत्मनिर्भर व उनकी भागीदारी सुनिश्चित किये बगैर महिला सशक्तिकरण नहीं हो सकता। महिलाओं का सशक्तिकरण करने के लिये उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। इसके लिये हर क्षेत्र में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को भी सुनिश्चित करने होगें। यह बात बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने महिला सशक्तिकरण और जलजीवन मिशन को लेकर विधानसभा सत्र में प्रभावी सुझाव के रूप में अपना वक्तव्य दिया। बता देवें कि प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की ओर से इस विशेष सत्र में बालाघाट की कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे को प्रदेश की विधानसभा के 69 वर्ष पूरे होने पर आयोजित किये गये विशेष सत्र में कांग्रेस की ओर से प्रतिनिधित्व करने के लिये मौका दिया गया था। विशेष सत्र में सुझाव देते हुये विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की साक्षरता दर 69.24 प्रतिशत है। जिसमें महिला साक्षरता का प्रतिशत 59.24 प्रतिशत है। जिसे बढ़ाया जाना चाहिए और इसे शत प्रतिशत लक्ष्य करना चाहिए। उन्होने कहा कि आर्थिक सशक्तिकरण में महिलाओं की श्रम भागीदारी का प्रतिशत सिर्फ 20 प्रतिशत है। जिसे बढ़ाया जाना चाहिए। इसी तरह से प्रदेश में 5 लाख 3145 स्व सहायता समूह है और उसमें 62 लाख 30 हजार महिलाओं की ही भागीदारी है। जिसे बढ़ाये जाने की जरूरत है। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरों के आंकड़े में मध्यप्रदेश में प्रति महीने 32 हजार अपराध दर्ज हो रहे है। महिला अत्याचार व हिंसा के मामले में मध्यप्रदेश का देश में 5 वें स्थान पर नाम है। हमें इसे गंभीरता से लेना चाहिए और कठोर कानून बनाकर महिला सुरक्षा को कायम करने चाहिए। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि प्रदेश में 230 विधानसभा में से सिर्फ 27 महिला जनप्रतिनिधि है। मेरा मानना है कि यह संख्या बढ़नी चाहिए। ताकि राजनीतिक स्तर पर भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ सके। उन्होने कहा कि महिलाओं को अस्पताल में उपचार तथा सुविधाओं को और अधिक सशक्त बनाये जाने की जरूरत है। चिकित्सक व नर्स सहित जो सुविधा दी जा रही है उनको लेकर सुनिश्चितता होने चाहिए ताकि हमारी महिलायें का जच्चा व बच्चा के साथ जीवन सुरक्षित रह सके। उन्होने कहा कि प्रदेश में बहुतायत में आंगनबाड़ी केंद्र किराये के भवन में चल रहे है। जिसके भवन बनाया जाना चाहिए। आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता व सहायिकाओं के मानदेय कम है उसे बढ़ाया जाये और नियमित मानदेय प्रदाय किया जाये। भोजन बनाने का कार्य कर रही समूह की रसोईयां को महज 500 रूपये का मानदेय दिया जा रहा है उसमें बढ़ाकर 2 हजार रूपये किया जाये। उन्होने सुझाव दिया कि महिला सशक्तिकरण के लिये महिलाओं के हित में कई कार्य ऐसे है जो उनके पिछड़ेपन को स्पष्ट करता है। जिसके लिये हमें कार्य करने होगें। उन्होने कहा कि महिला के स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भर बनाने के लिये कार्य करने होगें। उन्होने जल जीवन मिशन के तहत सुझाव देते हुये कहा कि प्रदेश में प्रदेश के 112 लाख ग्रामीण घरों में से 77 लाख घरों में ही अर्थात 69 प्रतिशत घरों में नल जल कनेक्शन पहुंचा है। जिसमें भी 31 प्रतिशत घरों में पाईप लाईन नहीं पहुंची है। जिसे शत प्रतिशत करने चाहिए। प्रमाणित मानक के अनुसार 55 लीटर प्रतिदिन जल उपलब्ध कराया जाना है लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। नेशनल फेमिली पाईप की रिपोर्ट के अनुसार कुल 28 प्रतिशत ही जल उपलब्ध हो रहा है। जिसमें शहरी में 48 प्रतिशत व ग्रामीण में सिर्फ 23 प्रतिशत जल उपलब्ध होने का प्रतिशत है। जो कि ठीक नहीं कहा जा सकता है। हमें इस दिशा में कार्य करते हुये यह सुनिश्चित करना चाहिए की हर घर में जल सुनिश्चित होवें। जल सुनिश्चित होने के साथ यह भी सुनिश्चित होवें कि दोनों समय जल उपलब्ध कराया जा सके। बुदेंलखंड व मालवा के क्षेत्र में आयरन व फ्लोराइड युक्त पानी उपलब्ध होता है। उन क्षेत्र में जल सुद्धीकरण के लिये संयंत्र स्थापित किया जाये। ताकि शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। उपरोक्त विषयों पर अमल होवें तो निश्चित ही हमारी बहनें सशक्त व आत्मनिर्भर होगी और उनका जीवन भी सुदृढ़ हो सकेगा।

## गढ़वाल समाज लालबर्रा मंडल की बैठक आज

### आय-व्यय व चुनाव पर होगी चर्चा

लालबर्रा| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी (लालबर्रा) के तत्वाधान में मंडल स्तरीय सामाजिक आम बैठक का आयोजन रविवार 21 दिसंबर 2025 को बड़ी पनबिहरी स्थित गढ़वाल समाज मंगल भवन में दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। मंडल उपाध्यक्ष चन्द्रकुमार ब्रम्हे की ओर से जारी आमंत्रण सूचना के अनुसार वर्तमान मंडल कार्यकारिणी का कार्यकाल 7 जनवरी 2026 को समाप्त हो रहा है। ऐसे में बैठक में वर्तमान कार्यकाल के आय-व्यय का विवरण सर्वसम्मति हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही नए मंडल अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यवाहक अध्यक्ष की अनुमति से अन्य सामाजिक विषयों पर भी चर्चा की जा सकेगी। बैठक में पांढ़रवानी मंडल (लालबर्रा) के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामों पांढ़रवानी, कटंगटोला, आमाटोला, अतरी, छोटी पनबिहरी, बड़ी पनबिहरी, मानपुर, औल्याकन्हार, अमोली एवं लालबर्रा के स्वजातीय बंधुओं को घर-घर जाकर आमंत्रित किया गया है। मंडल उपाध्यक्ष श्री ब्रम्हे ने समाज के सभी सदस्यों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर सामाजिक हित में अपने सुझाव देने की अपील की है।

## अतिथि शिक्षक भर्ती में उच्च न्यायालय की आदेशों की जा रही है आवेलना

नैनपुर| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

प्रधान अध्यापिका की मनमानी से बच्चों के शैक्षणिक कार्य पूरी तरह से बाधित हो चुकी हैं दो शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद भी अतिथि शिक्षकों कि नहीं की जा रही है नियुक्ति ग्रामीण बताते हैं कि सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग मंडला के द्वारा लापरवाही शिक्षकों को हटा दिया गया था। जिसके बाद वहा पर विषय बार शिक्षकों की नियुक्ति की जानी थी परंतु देवगांव माध्यमिक शाला में बैठे प्रधान अध्यापिका का द्वारा स्थानांतरण के लगभग 25 दिन बीत जाने बाद भी आज तक अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई है यह सोच से परे है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानाध्यापिका द्वारा अतिथि शिक्षक भर्ती में नियम विरोध किया जा रहा है जो कि गलत है ग्रामीणों का कहना है की सबसे पहले प्राथमिकता सिंगारपुर संकुल केंद्र और जन शिक्षा केंद्र के अंतर्गत जितने भी अतिथि शिक्षक पढ़ाई हुए हैं उनकी मेरिट लिस्ट पर किया जाना था परंतु प्रधान अध्यापिका द्वारा मनमाने ढंग से नई नियुक्ति की जा रही है जो यह दर्शाता है कि यही नियुक्तियां केवल अपने मन से की जा रही है इस बात को लेकर ग्रामीणों द्वारा एक आदेश माननीय उच्च न्यायालय का भी दिखाया गया है जिसमें शाप तौर कहा गया है कि विद्यालयवार मेरिट सूची के आधार पर अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए थी। परंतु ऐसा ना करके प्रधानअध्यापिका द्वारा नियम विरुद्ध विज्ञापन निकालकर अपने मनपसंद लोगों का फॉर्म बुलवाकर जमा कराया और उन्हीं लोगों में से भर्ती कराई जा रही है जो नियम की विरुद्ध है इसका विरोध ग्रामीणों ने सीएमडी की बैठक में भी किया। यह मानसिकता दर्शाता है कि प्रधान अध्यापिका को बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश के कंडिका 27 में तीन-चार में सांप तौर पर निर्देशित किया गया है कि अतिथि शिक्षकों की भर्ती विद्यालयवार मेरिट सूची के आधार पर किया जाना था परंतु मैडम द्वारा इस नियम की तहत भर्ती नहीं की गई और उनके द्वारा नया विज्ञापन जारी करते हुए भर्ती की जा रही है और मैडम द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना किया जा रहा है जो कि गलत है। अब देखना होगा कि खबर दिखाए जाने के बाद शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारी संबंधित शिक्षिका के ऊपर क्या कार्रवाई करते हैं।

## आदर्श दानपात्र ठंड से कांपती जिंदगी, और इंसानियत का आखिरी सहारा

बालाघाट| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

20 दिसंबर 2025 कड़ाके की ठंड सुनसान वनांचल की रातें और झोपड़ियों में सिमटी साँसें। जहाँ अलाव भी अधूरे पड़ जाते हैं, वहाँ ठंड सीधे इंसान के हौसले से टकराती है। ऐसे ही हालातों में आदर्श दानपात्र सेवा समिति, बालाघाट जन सहयोग के साथ वनांचल बैगा बाहुल्य क्षेत्र के ग्राम गोगाटोला, तहसील बैहर, जिला बालाघाट पहुँची और ठिठुरते हाथों में निःशुल्क कंबल थमा दिए। यह कंबल केवल ठंड से बचाव नहीं थे, बल्कि उन परिवारों के लिए राहत की साँस, सम्मान की ढाल और यह विश्वास थे कि वे इस सर्द रात में अकेले नहीं हैं। जिन घरों में बच्चों की कंपकंपी माँ-बाप की बेबसी बन जाती है, वहाँ यह पहल उम्मीद की लौ बनकर जली। आदर्श दानपात्र सेवा समिति का उद्देश्य सिर्फ़ सहायता देना नहीं, बल्कि दर्द में सहभागी बनना है। समिति निरंतर शहरी, ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में सेवा कार्य करते हुए यह संदेश दे रही है कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है, बस उसे जगाने की ज़रूरत है। इस मानवीय सेवा के लिए समिति अपने समस्त सदस्यों एवं दानदाताओं के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करती है, विशेष रूप से श्रीमती वंदना वैद्य , धर्ममित्रा चोखान्द्रे, आशालता वैद्य, प्रणीत नागवंशी, रिज़वान कुरैशी जिनके सहयोग से यह सेवा संभव हो सकी। समिति को विश्वास है कि जन सहयोग की यह गर्माहट आगे भी ठंड से जूझती ज़िंदगियों तक पहुँचती रहेगी।

## जल संचय हेतु ग्रामीणों का मिल रहा भरपूर सहयोग

### झिलिमिली नाले में श्रमदान से किया गया बोरी बंधान, किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

बालाघाट| डेस्क
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद बैहर एवं नवांकुर संस्था युग शक्ति महिला मंडल, गढ़ी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बैहर जनपद पंचायत के सेक्टर गढ़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत सिजोरा में जनसहयोग से झिलिमिली नाले में श्रमदान के माध्यम से बोरी बंधान कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सिजोरा के सहयोग से किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। बोरी बंधान के माध्यम से नाले में बहते पानी को रोकने में सफलता मिली है, जिससे नाले में जल भराव बढ़ने लगा है।

इस संचित जल का उपयोग क्षेत्र के किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए कर सकेंगे, वहीं पशु-पक्षियों के लिए भी पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम के दौरान जल संचय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि ÷खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में÷ संरक्षित रखना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

आज के इस श्रमदान कार्य में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के सामाजिक कार्यकर्ता एवं विकासखंड समन्वयक श्री महेश पटले, परामर्शदाता सुश्री संगीता उइके, नवांकुर समिति अध्यक्ष सुश्री मंजुलता चौधरी, सरपंच श्री सुनहेर पुषाम, साथ ही तामसिंह मरकाम, बुधराम मरकाम, माखन परते, एवं शिवानी शिवहरे, आरती कुशरे, अनीता आरमो, महिमा धुर्वे, आरती तेकाम सहित समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ग्रामीणों के उत्साहपूर्ण सहयोग से यह स्पष्ट होता है कि जनसहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक और स्थायी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

## प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से सुरक्षित आशियाने का सपना हुआ साकार

### कच्चे घर से पक्के मकान तक का सफर, बदली बिपत कटरे के परिवार की तक़दीर

बालाघाट| डेस्क
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के जनपद पंचायत परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत लगमा के निवासी श्री बिपत कटरे, पिता श्री कौडू कटरे, के लिए पक्का घर कभी एक अधूरा सपना था। वर्षों तक वे अपने परिवार के साथ कच्चे और असुरक्षित मकान में रहने को मजबूर थे। बरसात में टपकती छत, सर्दियों में ठिठुरन और हर मौसम में असुरक्षा की चिंता उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी थी। सीमित आय के कारण स्वयं पक्का मकान बनवाना उनके लिए संभव नहीं था।

ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके जीवन में आशा की किरण बनकर आई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत लगमा में पात्रता का सत्यापन कर श्री बिपत कटरे का नाम योजना में शामिल किया गया। इसके पश्चात शासन द्वारा चरणबद्ध रूप से आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिससे उन्होंने अपने सपनों का पक्का, सुरक्षित और सम्मानजनक आवास निर्मित कराया। आज श्री बिपत कटरे अपने नए घर में पूरे परिवार के साथ सुरक्षित और ससम्मान जीवन व्यतीत कर रहे हैं। पक्का मकान मिलने से उन्हें वर्षा, ठंड और अन्य प्राकृतिक कठिनाइयों से राहत मिली है। बच्चों को पढ़ाई के लिए शांत और बेहतर वातावरण मिला है, वहीं पूरे परिवार में स्थायित्व और आत्मविश्वास की भावना मजबूत हुई है। इस आवास ने न केवल उनके जीवन की परिस्थितियाँ बदली हैं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ाई है। श्री बिपत कटरे इस उपलब्धि के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जनपद पंचायत परसवाड़ा तथा ग्राम पंचायत लगमा के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।यह सफलता-कहानी इस बात का सशक्त प्रमाण है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ जब सही पात्र व्यक्ति तक पहुँचती हैं, तो वे ग्रामीण जीवन में स्थायी, सकारात्मक और गरिमापूर्ण परिवर्तन लाने का कार्य करती हैं।

## जीएसटी चोरी पर निर्माण कंपनी ने भरे 89.82 लाख रुपए

बालाघाट| संवाददात
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट में मेसर्स कालूवाला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड नवेगांव पर जीएसटी चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। जीएसटी छिंदवाड़ा और बालाघाट की संयुक्त टीम ने निर्माण सामग्री में की गई जीएसटी की चोरी पकड़ी, जिसके बाद कंपनी ने 89 लाख 82 हजार रुपए सरेंडर किए हैं। यह कंपनी रजेगांव से बालाघाट के बीच हाईवे निर्माण कर रही है। यह कार्रवाई आयुक्त वाणिज्यिक कर इंदौर के निर्देश पर की गई। राज्य कर सहायक आयुक्त एकांत राहंगडाले ने वाणिज्यिक कर छिंदवाड़ा और बालाघाट की संयुक्त टीम के साथ मेसर्स कालूवाला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड नवेगांव पर निरीक्षण किया। टीम ने फर्म के रेंगाटोला स्थित साइट पर दो दिनों तक जांच की। इस दौरान फर्म के खरीदी और आउटवर्ड सप्लाई से संबंधित ट्रांजैक्शन की गहनता से जांच की गई। जांच में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद व्यवसायी ने कर चोरी स्वीकार कर ली।

कंपनी ने कुल 89 लाख 82 हजार रुपए सरेंडर किए हैं। इसमें 65 लाख रुपए नकद और 24 लाख 82 हजार रुपए इनपुट टैक्स क्रेडिट (ढ्ढञ्जष्ट) के माध्यम से जमा किए गए।

### आईजी, कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ पहुंचे हर्रादेही ग्राम और ग्रामीणों की समस्याओं को सुना

## हर्रादेही में जनसुनवाई शिविर आयोजित, ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

बालाघाट| डेस्क
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरबेली के ग्राम हर्रादेही में 20 दिसंबर को जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। यह ग्राम नक्सल प्रभावित क्षेत्र में स्थित है। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनकर उनका त्वरित निराकरण करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना रहा। शिविर में बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय सिंह, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ,लांजी एसडीएम श्री कमल सिंहसार, जनपद सीईओ श्री रामगोपाल यादव एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान हर्रादेही के ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति की समस्या बताते हुए संचार सुविधा के लिए मोबाइल टावर स्थापित करने की मांग की। वहीं केराडीह के ग्रामीणों ने गांव में स्कूल खोलने एवं बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग रखी। सायर , संदूका के ग्रामीणों ने भी बिजली की समस्या बताई। उलटनाला के ग्रामीणों ने आंगनवाड़ी केंद्र खोलने की मांग की। इसके अलावा ग्रामीणों ने वन अधिकार पट्टा दिए जाने की मांग भी रखी और बताया कि इसके लिए आवेदन किया जा चुका है तथा उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी मिल रहा है। शिविर के दौरान लगभग 50 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। साथ ही 50 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 3 बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना के स्वीकृति पत्र तथा 5 हितग्राहियों को संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह राशि प्रदान की गई। कृषि विभाग द्वारा एक हितग्राही को नलकूप खनन हेतु अनुदान स्वीकृति पत्र तथा दो किसानों को अलसी, सरसों एवं मसूर के बीज वितरित किए गए।जनसुनवाई शिविर से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है और समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल देखने को मिली।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 21 दिसंबर 2025

# सिवनी राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण

# हाईकोर्ट में खुद को डीएसपी बताने वाले जीडी शर्मा कैसे बने सिवनी के एडिशनल एसपी?

## ट्रांसफर याचिका, शपथ पत्र और वेतन पर उठे गंभीर सवाल

### ट्रांसफर होने के 6 महीने बाद भी नहीं किया सरकारी बंगला खाली

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

गुरुदत्त शर्मा
तत्कालीन एएसपी।

सुनील मेहता
पुलिस अधीक्षक सिवनी।

राकेश सिंह
डीआईजी छिन्दवाड़ा रेंज।

**सिवनी** जिले में पूर्व में पदस्थ रहे तत्कालीन एडिशनल एसपी जीडी शर्मा को लेकर अब एक बड़ा प्रशासनिक और कानूनी सवाल खड़ा हो गया है। मामला उनके पद, ट्रांसफर और हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं से जुड़ा हुआ है, जिस पर पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जीडी शर्मा का 27 जून 2025 को तबादला किया गया था। और दीपक मिश्रा को सिवनी एडिशनल एसपी बनाया गया था। इसके बाद उन्होंने अपना ट्रांसफर रुकवाने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर हाईकोर्ट जबलपुर की एकल पीठ द्वारा सुनवाई करते हुए उसे खारिज कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इसके पश्चात जीडी शर्मा द्वारा पुनः हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है।

हैरानी की बात यह भी कि जीडी शर्मा ने पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा नोटिस जारी करने पर पुलिस मुख्यालय भोपाल में अपनी पदस्थापना ग्रहण कर ली है। लेकिन अब तक जीडी शर्मा ने नोटिस जारी करने के वाबजूद सरकारी बंगला खाली नही किया है। जिसको लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जीडी शर्मा के वकील के द्वारा बार-बार यह दलील दी गई कि जीडी शर्मा मूल रूप से डीएसपी (डीएसपी) हैं। और वकील द्वारा जीडी शर्मा को न्यायाधीश के समक्ष डीएसपी बताने का यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल भी हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में जीडी शर्मा द्वारा स्वयं को डीएसपी बताते हुए हाईकोर्ट में शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया गया है।

इसी बिंदु पर अब सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि यदि जीडी शर्मा वास्तव में डीएसपी हैं, तो सिवनी जिले में उनकी पदस्थापना एडिशनल एसपी के पद पर कैसे की गई। यदि वे डीएसपी संवर्ग के अधिकारी हैं, तो एडिशनल एसपी के रूप में उनकी नियुक्ति नियमों के अनुरूप थी या नहीं, यह जांच का विषय बन गया है। इसके साथ ही यह भी सवाल उठ रहा है कि यदि जीडी शर्मा डीएसपी थे, तो सिवनी में पदस्थ रहते हुए उन्होंने एडिशनल एसपी पद से जुड़ी सुविधाएं और वेतन किस आधार पर लिया। ऐसे में क्या यह पदस्थापना अवैध मानी जाएगी और क्या इस दौरान प्राप्त वेतन एवं शासकीय सुविधाओं की वसूली की जा सकती है।

अब यह मामला केवल एक अधिकारी के ट्रांसफर तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पुलिस विभाग की प्रशासनिक प्रक्रिया और नियुक्ति प्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। देखना होगा कि क्या पुलिस विभाग इस पूरे प्रकरण को संज्ञान में लेकर जांच करता है और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो जीडी शर्मा के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है।

फिलहाल यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है और पुलिस विभाग की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। जीडी शर्मा से फोन पर संपर्क कर इस विषय पर उनका पक्ष जानने की कई बार कोशिश की गई। लेकिन उनसे संपर्क नही हो पाया।

शासकीय बंगला जिसमें है तत्कालीन एएसपी गुरुदत्त शर्मा का अवैध कब्जा।

### डीआईजी बोले- जीडी को अपना पक्ष रखने की स्वतंत्रता

इस संबंध में डीआईजी छिंदवाड़ा रेंज कहते है, याचिकाकर्ता जीडी शर्मा अपनी बात कोर्ट में रखने के लिए स्वतंत्र है। जीडी शर्मा की पोस्टिंग सिवनी जिले में एडिशनल एसपी के रूप में हुई थी और उनका ट्रांसफर भी सिवनी जिले से एडिशनल एसपी के पद से हुआ है। इसके पूर्व जीडी शर्मा की याचिका पर हाईकोर्ट द्वारा जारी नोटिस पर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जवाब दिया गया है। आगे भी पुलिस मुख्यालय इस संदर्भ में अपना जवाब कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

# कलेक्टर ने ली राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**कलेक्टर** श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में बुधवार, 17 दिसम्बर को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एल. चनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

बैठक में राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भू-अभिलेख सुधार सहित अन्य राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। उन्हें होंने प्राकृतिक आपदा से संबंधित प्रकरणों में समय-सीमा के भीतर समुचित जांच कर प्रभावित हितग्राहियों को नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने सायबर तहसील के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि पटवारी प्रतिवेदन के अभाव में कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी एवं सतत कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही स्वामित्व योजना के अंतर्गत दर्ज एवं लंबित प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा कर पात्र हितग्राहियों को अधिकार-पत्रों का वितरण शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

# 343 आवेदकों का रोजगार हेतु प्रारंभिक रूप से चयन

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

**कलेक्टर** श्रीमति शीतला पटले के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय सिवनी, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, शासकीय आई टी आई एवं शासकीय महाविद्यालय लखनादौन के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार 17 दिसम्बर को स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय लखनादौन में युवा संगम कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया।

जिला रोजगार अधिकारी सिवनी द्वारा बताया गया कि उक्त मेले में निजी क्षेत्र की 9 विभिन्न कम्पनियों ने भाग लिया। आयोजित रोजगार मेले में 577 आवेदकों नें अपना पंजीयन कराकर मेले में भाग लिया। रोजगार मेंले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा 343 आवेदकों का रोजगार हेतु प्रारंभिक रूप से चयन किया गया। उक्त मेलें मे प्रारंभिक रूप से पुखराज द्वारा 45, आमधन प्राईवेट लिमिटेड द्वारा 30, ग्रो फास्ट एग्रोटेक द्वारा 36, सीआईआई स्किल छिंदवाडा द्वारा 45, एस.बी.आई. लाइफ द्वारा 39, गोल्डन फार्मर द्वारा 37, एल.एन.जे. जबलपुर द्वारा 47, मारूति सुजूकी द्वारा 35 एवं मोबिटी पे द्वारा 29 आवेदकों का रोजगार के लिए प्रारंभिक रूप से चयन किया गया। जिसमें अप्रेंटिसशिप के लिए मारूति सुजूकी द्वारा द्वारा 15 आवेदकों का चयन किया गया।

# दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण का हुआ शुभारंभ

**सिवनी, राष्ट्रबाण।** उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश के समस्त जिलों के साथ जिला सिवनी में भी दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का द्वितीय चरण 17 दिसम्बर 2025 से प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान अंतर्गत सिवनी जिले के 1310 ग्रामों में व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान में 214 विभागीय अमला, पशु मैत्री एवं गौ सेवक सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। ये टीम जिले के लगभग 10,210 पशुपालकों के घर-घर जाकर प्रत्यक्ष भेंट करेगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार के संबंध में जागरूक करना है।

# तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी, महिला की मौत

**सिवनी।** जिले के डूंडा सिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत जनता नगर के पास दरमियानी रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार वेगनआर कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कार सवार 50 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा देर रात उस समय हुआ जब वेगनआर कार तेज गति से जा रही थी। अचानक वाहन चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे कार सड़क से उतरकर पलट गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार में सवार मगरकठा गांव निवासी अनुसुइया यादव (उम्र 50 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे में घायल चार अन्य लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल जिला अस्पताल सिवनी पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही डूंडा सिवनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

# एसपी की मौजूदगी में चला हेलमेट जागरूकता अभियान

## चालानी कार्रवाई के साथ वाहन चालकों को बांटे गए हेलमेट

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

वाहन चालकों को हेलमेड पहनाते पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता।

**सड़क** दुर्घटनाओं में लगातार हो रही जनहानि को रोकने और दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिवनी पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को थाना लखनवाड़ा क्षेत्र अंतर्गत फुलारा ग्राम के पास विशेष अभियान आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता स्वयं मौके पर मौजूद रहे और अभियान का निरीक्षण किया।

अभियान के दौरान लखनवाड़ा थाना पुलिस एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को रोककर उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी गई और हेलमेट न पहनने से होने वाले गंभीर नुकसान के बारे में समझाया गया। चालानी कार्रवाई के पश्चात पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कई वाहन चालकों को मौके पर ही हेलमेट वितरित किए।

इस अवसर पर एसपी सुनील मेहता ने कहा कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पुलिस की चालानी कार्रवाई का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि नागरिकों की अमूल्य जान की रक्षा करना है। सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें सिर में गंभीर चोट लगने के कारण होती हैं, जिन्हें हेलमेट पहनकर काफी हद तक रोका जा सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित वाहन चालकों और आम नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नियमित रूप से हेलमेट पहनें और अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के कम से कम पांच अन्य लोगों को भी हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यदि समाज स्वयं यातायात नियमों के प्रति जागरूक हो जाए, तो दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है।

अभियान के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक श्रद्धा सोनकर ने भी वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई और कहा कि पुलिस का उद्देश्य जनता के साथ सहयोगात्मक रवैया अपनाकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाना है। थाना प्रभारी लखनवाड़ा निरीक्षक चंद्र किशोर सिरामे एवं थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक विजय बघेल ने अभियान की व्यवस्थाओं को संभालते हुए चालानी कार्रवाई एवं जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया, अभियान में यातायात विभाग और लखनवाड़ा पुलिस स्टाफ ने सराहनीय भूमिका निभाई।

# प्रशासनिक मिलीभगत या अंधा कानून?

## आबकारी अधिकारी की नाक के नीचे चल रहा 'खुलेआम जाम' का खेल!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

शराब दुकान के सामने ही बन गए अवैध अहाता।

**सरकारें** शराबबंदी और सार्वजनिक स्थानों पर नशा मुक्ति के दावे करते नहीं थकतीं, लेकिन धरातल पर सच्चाई इन दावों को मुँह चिढ़ा रही है। ताज़ा मामला आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। जहाँ आबकारी अधिकारी विनोद खटीक की कथित मौजूदगी और जानकारी के बावजूद भी नियमों की सरेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं।

प्राप्त तस्वीरों में साफ़ देखा जा सकता है कि शराब दुकान के ठीक सामने या फिर कहे आस पास पर शराबियों का जमघट लगा हुआ है। नियमतः शराब दुकान से शराब खरीदकर उसे सार्वजनिक स्थान पर पीना अपराध है। लेकिन यहाँ नजारा कुछ और ही है जहां पूरी दुकान के आसपास का क्षेत्र ओपन बार में तब्दील कर दिया गया है।

हैरानी की बात यह है कि शराब दुकान ठेकेदार केवल शराब ही नहीं, बल्कि उसके साथ पानी के पाउच, डिस्पोजल गिलास और अन्य सामग्री भी धड़ल्ले से बेच रहे हैं। यह सब कुछ इसलिए किया जा रहा है ताकि पियक्कड़ों को दुकान के बाहर ही पूरी सुविधा मिल सके। प्रशासन की यह कैसी मुस्तैदी है कि अधिकारी की आँखों के सामने ही चखना और डिस्पोजल की दुकानें सज रही हैं?

यदि बात किया जाए नियमों की तो आपकारी विभाग धज्जियां में पीछे नहीं रहता। जबकि आबकारी नियमों के अनुसार दुकान के बाहर भीड़ जमा होना और शराब पीना पुनः प्रतिबंधित है। वही अधिकारी की चुप्पी कि बात करे तो विभाग के ज़िम्मेदार अधिकारी विनोद खटीक के संज्ञान में यह सब है तो कार्रवाई न होना किसी सांठगांठ की ओर इशारा करता है।

शराबियों के खुलेआम तांडव और सड़क पर खड़े वाहनों के कारण राहगीरों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों का वहां से निकलना दूभर हो गया है। क्या आबकारी विभाग ने शराब माफियाओं और दुकान ठेकेदारों को खुली छूट दे रखी है? आँखों पर पट्टी बांधे बैठे अधिकारी शायद किसी बड़ी अप्रिय घटना का इंतज़ार कर रहे हैं। यदि समय रहते इन अवैध गतिविधियों पर लगाम नहीं कसी गई, तो यह खुला खेल शासन की छवि को और अधिक धूमिल करेगा।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग
संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध
संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433